RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:110 ता. 21 अक्टूबर 2022, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पनवेल में दो पीएफआई कार्यकर्ता समेत 4 लोग गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र एंटी टेरेरिस्ट स्कॉड की टीम ने रायगढ़ जिले के पनवेल में देर रात प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के दो कार्यकर्ता समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन चारों को गुरुवार को कोर्ट में पेश करने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार एटीएस की टीम को पनवेल इलाके में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की गोपनीय गतिविधियों की जानकारी मिली थी। इसी आधार पर एटीएस की टीम ने बुधवार देर रात पनवेल इलाके में छापा मारकर पीएफआई के दो पूर्व पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद इन दोनों के संपर्क में रहने वाले अन्य दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। एटीएस की टीम ने इसकी जानकारी बेहद गोपनीय रखी है और चारों से गहन छानबीन कर रही है। एटीएस की टीम ने बुधवार देर रात औरंगाबाद में भी छापेमारी की है, लेकिन उसका ब्योरा नहीं मिल सका है। सूत्र बता रहे हैं कि औरंगाबाद में भी एटीएस ने पीएफआई से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और एटीएस ने पिछले महीने साझा कार्रवाई करते हुए पीएफआई के 20 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ के बाद मराठवाड़ा में फिजिकल ट्रेनिंग के नाम पर आतंकवाद की ट्रेनिंग दिए जाने की जानकारी मिली। साथ ही एटीएस की टीम ने इन गिरफ्तार सदस्यों के पास से सीडी बरामद की है, जिसमें राममंदिर निर्माण रोकने, बाबरी मसजिद का पुनर्निर्माण करने, देश को 2047 तक इस्लामिक राष्ट्र बनाए जाने की साजिश रचे जाने के सबूत मिले हैं। साथ ही पीएफआई को इस काम के विदेश से बड़े पैमाने पर फंड आने की भी जानकारी मिली है।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया 'मिशन लाइफ'

लोग जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कर रहे हैं महसूस-पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने केवडिया में मिशन लाइफ का उद्घाटन किया। इस मौके पर , विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और राज्य के मुख्ययंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आज इतने सारे देश मिशन के लिए हमसे जुड़े है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात भारत के उन राज्यों में से एक है जिसने सबसे पहले रिन्यूएबल एनर्जी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काफी पहले कदम उठाने शुरू किए थे। जलवायु परिवर्तन को लेकर ऐसी धारणा बनाई है जैसे वह नीति से जुड़ा मामला है। पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही

● पीएम मोदी ने कहा कि क्लाइमेट चेंज से हो रहे बदलाव लोग अपने आस-पास महसूस कर रहे हैं, पिछले कुछ दशकों में हमने इस दुष्प्रभाव को तेजी से बढ़ते देखा है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए जीवन में सबसे महत्वपूर्ण कारक एकता के अलावा और कुछ नहीं है।

हम इसे नीति से जोड़कर देखते हैं तो जाने अंजाने में हम मान लेते हैं कि इस पर सरकार ही कुछ करेगी। मिशन लाइफ का मंत्र है लाइफटाइम और इनवॉयरोमेंट। पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत प्रयासों की कामना के साथ ही आज ये मिशन का विजन दुनिया के सामने रख रहा हूं। आज हमारे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, हमारी नदियां सूख रही हैं, मौसम अनिश्चित हो रहे हैं और ये बदलाव लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि क्लामेट चेंज को सिर्फ पॉलिसी मेकिंग पर नहीं छोड़ा जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि क्लाइमेट चेंज से हो रहे बदलाव लोग अपने आस-पास महसूस कर रहे हैं, पिछले कुछ दशकों में हमने इस दुष्प्रभाव को तेजी से बढ़ते देखा है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए जीवन में सबसे महत्वपूर्ण कारक एकता के अलावा और कुछ नहीं है।

'आप' 'हिन्दू विरोधी' है, दिल्ली में प्रदूषण के लिए हर साल पटाखों पर मढ़ा जाता है दोष-भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली में दिवाली पर पटाखों के इस्तेमाल को दंडनीय अपराध घोषित करने पर बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर हमला बोला और उसे ''हिन्दू विरोधी'' करार दिया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को घोषणा की थी कि दिवाली के मौके पर दिल्ली में पटाखे फोड़ने पर छह महीने तक की जेल और 200 रुपए जुर्माना हो सकता है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक के बाद एक ट्वीट में कहा कि प्रदूषण के कारण हिन्दुओं के दिवाली पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो वहीं मंत्री बनाए जाने पर राजकुमार आनंद के समर्थक पटाखे फोड़ते हैं। उन्होंने सवाल उठाया, ''क्या यह धर्मनिरपेक्ष प्रदूषण है?'' पूनावाला ने कहा, ''आप हिन्दू विरोधी है। हर वर्ष प्रदूषण के लिए हिन्दुओं और पटाखों पर दोष मढ़ा जाता है जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने कहा है कि दिल्ली में प्रदूषण के मुख्य कारण बायोमास जलाना, गाड़ियों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यो, उद्योग और पंजाब में पराली जलाया जाना है।'' उन्होंने दिल्ली सरकार से पूछा कि इन प्रमुख कारणों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि उनके पास बायो डिकंपोजर के रूप में पराली जलाने का समाधान है। उन्होंने कहा, ''अब तो पंजाब में भी आपकी सरकार है। फिर भी वहां पराली जलाए जा रहे हैं। क्या यह विफल साबित हुआ है। 68 लाख के बायो डिकंपोजर के लिए केजरीवाल के विज्ञापन में 23 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसका

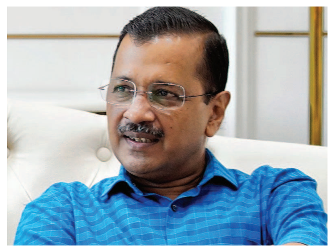

नतीजा क्या निकला।'' उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने राजधानी में पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया और कहा कि विस्फोटक अधिनियम की धारा 9बी के तहत 5,000 रुपये तक का जुर्माना और तीन वर्ष की जेल होगी। दिल्ली सरकार ने सितम्बर में एक आदेश जारी करके अगले साल एक जनवरी तक सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर फिर से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले दो साल से इस तरह का प्रतिबंध जारी है।

केदारनाथ-हेमकुंड रोपवे का शिलान्यास करेंगे पीएम मोदी, फिर सैनिकों संग मनाएंगे दिवाली

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केदारनाथ और बदरीनाथ धाम का दौरा तय हो गया है। पीएम शुक्रवार 21 अक्तूबर को उत्तराखंड आएंगे, इसी दिन वो केदारनाथ रोपवे, हेमकुंड रोपवे के साथ ही माणा तक डबल लेन सड़क का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वो 22 अक्तूबर को वापस लौट जाएंगे।

मोदी 21 अक्तूबर को सुबह सात बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे, यहां से वो केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरेंगे। धाम में सबसे पहले वो मंदिर में दर्शन पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद उन्हें केदारनाथ रोपवे प्रोजेक्ट का शिलान्यास करना है। मोदी यहां केदारनाथ पुनर्निमाण में लगे श्रमिकों से भी बात करेंगे।

सैनिकों संग मनाएंगे दिवाली-

केदारनाथ में तीन घंटे बिताने के बाद पीएम बदरीनाथ रवाना होंगे। यहां भी पहले दर्शन और पूजा का कार्यक्रम है। फिर उन्हे माणा गांव में प्रस्तावित समारोह में भाग लेना है। पीएम माणा में ही हेमकुंड साहिब रोपवे और माणा तक डबल लेन सड़क का शिलान्यास करेंगे। इसी दिन दोपहर उनका सैनिकों के साथ भी दिवाली मनाने का कार्यक्रम है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मुनाफा कमाने वाले शैक्षणिक न्यास नहीं कर सकते आयकर में छूट का दावा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को दिए अपने एक अहम फैसले में कहा है कि मुनाफा कमाने वाली शैक्षणिक संस्थाएं और न्यास (ट्रस्ट) आयकर अधिनियम की धारा-10(23सी) में छूट पाने का दावा नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत छूट पाने के लिए जरूरी है कि शैक्षणिक न्याय या संस्था (चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन या ट्रस्ट) सिर्फ शैक्षणिक गतिविधियों में संलग्न हो और वह किसी तरह का मुनाफा या फायदा कमाने में संलग्न न हो।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को दी गई थी चुनौती-कोर्ट ने और स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका मतलब है कि संस्था या न्यास का उद्देश्य शिक्षा देने या शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित होना चाहिए। जहां पर संस्था का उद्देश्य मुनाफा कमाना प्रतीत होता हो, वह संस्था आयकर कानून की धारा-10 (23सी) के तहत छूट पाने की अधिकारी

नहीं है। दूरगामी परिणाम वाला यह फैसला प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित, जस्टिस एस. रविंद्र भट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं और शैक्षणिक ट्रस्टों की याचिकाएं खारिज करते हुए सुनाया है। आयकर कानून में छूट का दावा कर रहीं शैक्षणिक संस्थाओं ने याचिकाओं में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने भी आयकर कानून में छूट का दावा करने वाली उनकी याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

फैसले की तिथि से होगा लागू-सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में आयकर कानून की धारा-10(23सी) की व्याख्या करते हुए यह व्यवस्था दी है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह फैसला प्रास्पेक्टिवली यानी फैसले की तिथि से लागू माना जाएगा। कोर्ट ने फैसले में शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा वह चाभी है जिससे जीवन के सुनहरे द्वार खुलते हैं। ज्ञान आधारित, सूचना संचालित समाज में शिक्षा और उस तक पहुंच ही सच्ची संपत्ति है।

पूर्व के फैसले को किया रद-कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आयकर कानून की धारा-10(23सी) के तहत छूट पाने के लिए जरूरी है कि शैक्षणिक न्यास या संस्था का एकमात्र उद्देश्य शिक्षा होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कानून की धारा-10(23सी) और 11(4ए) में दिया गया मुनाफे का संदर्भ शैक्षणिक गतिविधियों से प्राप्त मुनाफे से है जैसे कि किताबें बेचना, स्कूल बस व हास्टल आदि।

एक क्विंटल विस्फोटक पदार्थ के साथ तीन आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता। राजधानी कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना के बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत बासुदेवपुर इलाके में एक क्विंटल विस्फोटकों के साथ तीन लोगों को राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने धर दबोचा है। एसटीएफ के डीआईजी आईपीएस दीप नारायण गोस्वामी ने गुरुवार सुबह इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की टीम के साथ मिलकर बासुदेवपुर थाना क्षेत्र के क्यूटिया इलाके से बुधवार देर शाम तीन लोगों को घेरकर धर दबोचा गया। इनकी

● **एसटीएफ के डीआईजी आईपीएस दीप नारायण गोस्वामी ने गुरुवार सुबह इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की टीम के साथ मिलकर बासुदेवपुर थाना क्षेत्र के क्यूटिया इलाके से बुधवार देर शाम तीन लोगों को घेरकर धर दबोचा गया।**

पहचान भाटपाड़ा थाना क्षेत्र के कांकीनाड़ा निवासी नरेश चौधरी (40), उमेश कुमार रॉय (62) और जगदल थाना क्षेत्र के क्यूटिया बाजारपाड़ा के रहने वाले 28 साल के शंकर पाल उर्फ बाबाई के तौर पर हुई है। इनके पास से 50 किलो पोटेशियम नाइट्रेट और 50 किलो आर्सेनिक सल्फाइड बरामद किए गए हैं। इसका इस्तेमाल विस्फोटक बनाने के लिए किया जाता है। किस वजह से इन लोगों ने इतनी भारी मात्रा में विस्फोटकों को एकत्रित किया था इस बारे में इनसे पूछताछ की जा रही है। विस्फोटक कहां से लाए थे, कहां ले जा रहे थे और साथी कौन-कौन से लोग हैं आदि के बारे में भी लगातार पूछताछ हो रही है। बासुदेवपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बिहार के बरौनी खाद कारखाना से नीम कोटेड 'अपना यूरिया' का उत्पादन शुरू

बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से बनकर तैयार हुए बिहार के एकलौते खाद कारखाना हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) ने बरौनी से नीम कोटेड अपना यूरिया% और अमोनिया का उत्पादन शुरू कर दिया है।

अमोनिया का उत्पादन आठ अक्टूबर से शुरु हो गया था, जबकि बीती रात नीम कोटेड यूरिया का दाना हाथ में आते ही कारखाना के अधिकारियों और कर्मियों के चेहरे खिल उठे हैं। 8387 करोड़ की लागत से बने नेचुरल गैस आधारित इस कारखाना से प्रत्येक दिन 3850 मेट्रिक टन %%अपना यूरिया%% ब्रांड का नीम कोटेड यूरिया तथा 22 सौ टन अमोनिया का उत्पादन होगा। खाद कारखाना से व्यवसायिक उत्पादन और डिस्पैच शुरू कराने के लिए पूरी टीम लगातार काम कर रही है तथा कभी भी डिस्पैच शुरू हो सकता है। हालांकि इसके विधिवत उद्घाटन के लिए प्रबंधन द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क किया जा रहा है। स्वीकृति मिलते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसका शुभारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र को आत्मसात कर आत्मनिर्भर बन रहे भारत में कृषि भी आत्मनिर्भर हो रही है। खास करके यूरिया की किल्लत झेल रहे बिहार के किसानों को अब खाद के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सार्वजनिक उपक्रम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, कोल इंडिया लिमिटेड, फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं हिंदुस्तान फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ज्वाइंट वेंचर हर्ल से खाद उत्पादन में भूगर्भीय जल का प्रयोग नहीं किया जाएगा, इसके लिए गंगा नदी में टैंक बनाकर पाइप से कनेक्ट किया गया है। प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना से गैस पाइप लाइन से एकीकृत करने के परियोजना के तहत बरौनी खाद कारखाना को पीएनजी की आपूर्ति करने के लिए पाइप लाइन से जोड़ा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के प्रयास से पूर्वोत्तर भारत का सबसे पहला खाद कारखाना बरौनी में बनाया गया था। उस खाद कारखाना में एक नवम्बर 1976 से उत्पादन शुरू हुआ तथा 1.84 लाख मीट्रिक टन %%मोती यूरिया%% उत्पादन कर बिहार और पड़ोसी राज्यों को भेजा जाता था। सिस्टम की कमजोरी और यूनियन बाजी के कारण 1998-1999 में घाटा दिखाकर उत्पादन तथा 2002 में इसे स्थाई रूप से बंद कर दिया गया। कई आंदोलन हुए तो 2008 में शिलान्यास हुआ, लेकिन निर्माण नहीं हो सका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नजर गई तो 25 मई 2016 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे चालू करने का फैसला लिया।

दिवाली से पहले फिर बदलेगा मौसम

नई दिल्ली। उत्तर भारत में जहां एक ओर मौसम शुष्क बना हुआ है तो वहीं दूसरी ओर दक्षिण और बंगाल की खाड़ी के आसपास के इलाकों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में 20 अक्टूबर को कम दवाब का क्षेत्र विकसित हो रहा है, जो 21 अक्टूबर से आगे बढ़ेगा । यदि यह उत्तर की ओर बढ़ता है तो मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है, कहीं कहीं बारिश भी हो सकती है। IMD ने केरल तमिलनाडु सहित कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 7 राज्यों में आज येलो अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली की बात करें तो आज, 20 अक्टूबर 2022 को आज आसमान साफ रहेगा। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया जा सकता है।

इन राज्यों में आज बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी 20 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा व महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में आज गरज-चमक और तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 7 राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है। ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक तमिलनाडु और केरल में तीन दिनों तक भारी बारिश के आसार है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और आंतरिक कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

दो-तीन दिनों में बरसात के साथ बर्फबारी का अनुमान

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक मध्य महाराष्ट्र में जहां बारिश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अगले दो-तीन दिनों में बरसात के साथ बर्फबारी होने वाली है। इसका असर पश्चिमोत्तर क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसका असर भी रबी की खेती पर पड़ सकता है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक लद्दाख, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में हल्की बर्फबारी के साथ हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा साइक्लोन -मौसम विभाग के मुताबिक 23 या 24 अक्टूबर के आसपास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात बनने की संभावना है। आईएमडी के भुवनेश्वर केंद्र ने एक बयान में कहा कि सोमवार को दक्षिण अंडमान सागर और पड़ोस के ऊपर बना चक्रवाती परिसंचरण अब उत्तरी अंडमान सागर और आसपास के इलाकों पर बना हुआ है। इसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व और इससे सटे पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इस कारण प. बंगाल के साथ-साथ ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बन रहे समुद्री तूफान का प्रभाव उत्तरी आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और गंगिया पश्चिम बंगाल पर दिखाई देगा। उत्तर पश्चिमी तथा मध्य भारत में मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। गुजरात तथा पश्चिमी राजस्थान में तेज धूप के साथ दिन काफी गर्म हो सकता है।

दिल्ली में प्रदूषण का खतरा बढ़ा

दिल्ली में बारिश की गतिविधियां बंद होने के बाद से प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है। कल दिल्ली का औसत AQI 228 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में भी AQI 230 दर्ज किया गया है। आज की बात करें, तो आज सुबह भी ये खराब श्रेणी में दर्ज हुआ है। दिल्ली के आनंद विहार में सुबह AQI 393 पहुंच गया है।

उत्तर प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम तापमान 32 डिग्री रहेगा। वहीं, गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 19 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया जाएगा। लखनऊ और गाजियाबाद, दोनों ही जगहों पर आसमान साफ रहने के आसार हैं।

सार समाचार

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर का संचालन फिर हुआ शुरू, हादसे बाद रुकी थी सेवाएं

रूद्रप्रयाग। हेलीकॉप्टर हादसे के कारण केदारनाथ में बंद हेलीकॉप्टर सेवाएं फिर से बहाल हो गई हैं। हादसे के एक दिन बाद बुधवार को विभिन्न उड्डयन कंपनियों ने हेलीकॉप्टर का संचालन फिर शुरू कर दिया और हेलीकॉप्टर सेवा के जरिये 981 तीर्थयात्रियों को केदारनाथ की यात्रा कराई गई। उधर, आर्यन एविएशन कंपनी ने भी दूसरे हेलीकॉप्टर के जरिये बुधवार सायं से मस्ता-गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए सेवा शुरू कर दी। मंगलवार को हुए हादसे में हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे गुजरात और तमिलनाडु के छह श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गयी थी। घने कोहरे में कम दृश्यता के कारण हुई इस दुर्घटना में पायलट की भी मौत हो गयी थी। आर्यन एविएशन के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम ने कंपनी के मस्ता स्थित हैलीपैड का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि उनका निरीक्षण और जांच पूरी होने के बाद कंपनी की हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू हो गई हैं। आर्यन के दूसरे हेलीकॉप्टर ने बृहस्पतिवार दोपहर तक केदारनाथ के छह से अधिक चक्कर लगाए। केदारनाथ के लिए इस समय लगभग आठ कंपनियां हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध करा रही हैं। इस साल मई में केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद से बुधवार तक 1,44,832 तीर्थयात्री हेलिकॉप्टर के जरिए केदारनाथ की यात्रा कर चुके हैं। केदारनाथ में पिछले कुछ दिनों से दोपहर के बाद मौसम बदल रहा है और लगभग हर दिन बारिश और हल्की बर्फबारी हो रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से कंपनी ने किया था समझौता, मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप से किया इंकार

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यह पता चलने के बाद एक कंपनी और इसके निदेशकों के खिलाफ जारी जांच में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया था। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि मुझे याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जांच में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिलता क्योंकि किसी भी तरह का हस्तक्षेप राष्ट्र की सुरक्षा से समझौता करने के लिए याचिकाकर्ताओं के कृत्यों को बढ़ावा देने के समान माना जाएगा। अदालत ने 17 अक्टूबर के अपने फैसले में 'आईबी ट्रैक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' और इसके निदेशक सुधेंद्र धकानिकोटे द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। बेंगलुरु की कंपनी ने याचिका दायर कर एक मेट्रोपॉलिटन अदालत के समक्ष जारी उस मामले की सुनवाई को रद्द करने का अनुरोध किया था जो कि राजस्व खुफिया निदेशालय की शिकायत पर आधारित है। कंपनी 'रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन' (आरआईएफडी) तकनीक से लैस 'ई-सील' की खरीद और आपूर्ति करती है, जिसे भारत से निर्यात किए गए कंटेनर पर लगाया जाता है। इटली की कंपनी लेघॉर्न ग्रुप एसआरएल इस सील को बनाती है जबकि भारतीय कंपनी इसकी अधिकृत वितरक है। ई-सील निर्यात के लिए उपयोग किए जाने वाले कंटेनर पर लगी होती है और संबंधित बंदरगाह पर सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा हाथों से संचालित एक उपकरण द्वारा इसे स्कैन किया सकता है। कंपनी ने निर्यातकों द्वारा भेजे जाने वाले कंटेनर पर ई-सील लगाए जाने के लिए केंद्र सरकार की योजना में भाग लिया था। बाद में इस सील से छेड़छाड़ की बात सामने आई थी।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से किया इनकार, याचिकर्ता से कहा- अपना पैसा मिठाई पर खर्च करें

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि लोगों को स्वच्छ हवा में सांस लेने दें। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि अपना पैसा मिठाई पर खर्च करें। इससे पहले दिन में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभी प्रकार के पटाखों की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि डीपीसीसी द्वारा 14 सितंबर को लगाया गया 'अंतिम समय का प्रतिबंध' पूरी तरह से मनमाना और अवैध था। इसके साथ ही इस निर्षय को उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला बताया गया। एक दिन पहले दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों का निर्माण, भंडारण और बिक्री एक दंडनीय अपराध है और इसके लिए 5,000 रुपये तक का जुर्माना और तीन साल की जेल हो सकती है। पटाखे खरीदने और फोड़ने पर 200 का जुर्माना और छह महीने की जेल की सजा भी हो सकती है। इन उपायों का उद्देश्य त्योहारी सीजन के दौरान वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाना है, जब वायु की गुणवत्ता काफी खराब हो जाती है।

भाजपा विधायक के बिगड़े बोल, कहा- मुसलमान लक्ष्मी-सरस्वती की पूजा नहीं करते, क्या वो अमीर और विद्वान नहीं?

पटना । बिहार में नेताओं की जुबान लगातार मर्यादा की सीमा लांघती रहती है। इस बार भाजपा विधायक के बोल बिगड़ गए। भागलपुर के पीरपैंती से भाजपा विधायक ललन पासवान एक पोर्टल पर आयोजित कार्यक्रम में विवादित बयानों को लेकर राजद और जदयू के निशाने पर हैं। भाजपा विधायक ललन पासवान ने कार्यक्रम में बोलते हुए हिन्दू पर्व और त्यौहारों की मान्यताओं पर सवाल खड़ा किया है। भाजपा विधायक ने कहा कि दिवाली के मौके पर लक्ष्मी की पूजा करने या न करने से कोई असर नहीं पड़ता है। ललन पासवान ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग तो लक्ष्मी की पूजा कभी नहीं करते हैं तो क्या वो करोड़पति नहीं होते। उन्होंने कहा कि इन रीति रिवाजों और मान्यताओं से कोई फर्क नहीं पड़ता है। भाजपा विधायक ने तर्क देते हुए कहा कि ये सब मानने के ऊपर ही निर्भर करता है इसमें कोई लॉजिक नहीं है। उन्होंने कहा कि मान लो तो पत्थर भी देवता है नहीं मानना है तो पत्थर तो है ही लेकिन वो पत्थर है ये सबसे बड़ी सच्चाई है। भाजपा विधायक हिन्दू मान्यताओं के कई उदहारण देने से भी पीछे नहीं हटे। हनुमान और सरस्वती पूजा पर भी सवाल उठाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि मुसलमान तो इन देवी देवताओं की पूजा नहीं करते तोह क्या वह बुद्धिमान और विद्वान नहीं है क्या। भाजपा विधायक के बिगड़े बोल के बाद बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी जदयू और राजद भाजपा पर सवाल खड़े कर रही हैं। पीरपैंती से भाजपा विधायक ललन पासवान के बयां के बाद से बिहार की सियासत एक बार फिर से गरम हो गयी है। जदयू और राजद ने आरोप लगते हुए कहा है कि जनता सब जानती है कि धर्म और जाति की राजनीती करने वाली भाजपा का असली चरित्र हिन्दू विरोधी है।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही पंजाब की मान सरकार

चंडीगढ़ । केंद्र ने पंजाब में पराली जलाने की बढ़ती हुई घटनाओं को लेकर चिंता जाहिर की है। केंद्र ने आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार ने खेतों में आग को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। दिल्ली-एनसीआर में पराली जलाने के मुद्दे पर एक अंतर-मंत्रालयी बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने चिंता व्यक्त कर कहा है कि पंजाब की मान सरकार राज्य में खेत की आग को रोकने के लिए समन्वित कार्रवाई करने में सक्षम नहीं है। अक्टूबर और नवंबर में दिल्ली

में वायु प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के पीछ आसपास के राज्यों में धान की पराली जलाना एक प्रमुख कारण है। गेहूं और सब्जियों की खेती से पहले फसल के अवशेषों को जल्दी से हटाने के लिए किसान अपने खेतों में आग लगा देते हैं। इसकारण प्रदूषण की समस्या विकराल होती जा रही है। उधर केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी एक बयान में उल्लेख किया है कि हरियाणा में धान की पराली प्रबंधन की स्थिति पंजाब की तुलना में काफी ठीक है। बयान में कहा गया है कि 15 अक्टूबर तक पिछले साल की तुलना में आग की घटनाओं का रुझान कम था, लेकिन अब यह खासकर पंजाब में तेजी से बढ़ने लगा है। मंत्रालय ने कहा है कि पूसा का बायो-डीकंपोजर एक माइक्रोबियल समाधान है, जो 15-20 दिनों में पराली को खाद में बदल देता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष एम.एम. कुट्टी ने कहा कि सांविधिक पैनल द्वारा कई बैठकों और प्रयासों के बावजूद पंजाब ने अपर्याप्त कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्य सचिव को अमृतसर में आग की घटनाओं की बढ़ती दर को नियंत्रित करने और पिछले साल की तुलना में राज्य के खेतों में आग के मामलों में 50 फीसदी कमी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। बैठक में उल्लेख किया गया है कि पंजाब और हरियाणा में फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों की डिलीवरी में देरी भी मुख्य चिंताओं में से एक है।

ममता बनर्जी ने फिर उठाया सौरव गांगुली का मुद्दा, महंगाई को लेकर भी भाजपा सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को लेकर राजनीति कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर से ममता बनर्जी ने सौरव गांगुली का मुद्दा उठाया है। उन्होंने साफ तौर पर आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार आईसीसी प्रमुख पद के लिए सौरव गांगुली का नामांकन नहीं भेज कर उन्हें इस प्रक्रिया से वंचित रखा है। इसके साथ ही उन्होंने इसे शर्मनाक राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी ने महंगाई को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि गुजरात में चुनाव है इसलिए वहां दूध के दाम नहीं बढ़े बाकी अन्य राज्यों में बढ़ा दिए गए।

अपने बयान में ममता ने कहा कि अभी गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, गुजरात में चुनाव के कारण अमूल के दूध की कीमत में वहां बढ़ोतरी नहीं हुई है। गुजरात छोड़कर बंगाल सहित अन्य राज्यों में इसकी कीमत बढ़ाई गई। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि 24 और 25 अक्टूबर को राज्य में काली पूजा की छुट्टी रहेगी। 30 और 31 अक्टूबर को राज्य में छठ पूजा छुट्टी रहेगी। गांगुली के मामले में अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर प्रसिद्ध क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को भी इस तरह वंचित रखा जाता तब भी वह यही बात कहतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि गांगुली को 'किसी और के हितों को सुरक्षित रखने के लिए'' चुनाव लड़ने तक का मौका नहीं दिया गया।

ममता ने सवाल किया कि उन्हें आईसीसी में क्यों नहीं भेजा गया? यह किसी के हितों को (क्रिकेट बोर्ड में) साधने के लिए किया गया। मैंने अनेक भाजपा नेताओं से बात की, लेकिन उनका नाम नहीं भेजा गया। उन्हें वंचित किया गया है। यह शर्मनाक राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने इस सप्ताह की शुरुआत में गांगुली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष के रूप में दूसरा कार्यकाल नहीं मिलने पर हैरानी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया था ताकि गांगुली को आईसीसी प्रमुख के पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति मिल जाए।

भारत, इजरायल और अमेरिका में आंतकी घटनाओं में शामिल रहा तल्हा सईद, आंतकियों की भर्ती करता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन ने आतंकवाद को लेकर भारत और अमेरिका के प्रयासों पर फिर पानी फेर दिया है। चीन ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख और मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के बेटे तल्हा को आतंकियों की सूची में डालने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र में वीटो का इस्तेमाल कर यह कूटनीतिक चाल चली। तल्हा सईद पर भारत सहित पश्चिमी देशों में जिहाद के नाम पर आतंक को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं। भारत सरकार ने इस साल अप्रैल में यूएपीए के प्रावधानों के तहत तल्हा को आतंकी घोषित कर दिया था। भारत सरकार ने साल 2022 आठ अप्रैल को अधिसूचना जारी कर कहा था कि तल्हा सईद भारत में लश्कर-ए-तैयबा के हमलों के लिए योजना बनाने से लेकर भर्ती, फंड इकट्ठा करने तक में शामिल रहा है।

भारत ने बयान जारी कर बताया था कि तल्हा सईद भारत, इजरायल और अमेरिका के खिलाफ जिहाद के नाम पर लोगों को गुमराह करने में भी शामिल रहा है। वह लश्कर-ए-तैयबा की क्लेरिक विंग का प्रमुख था और पाकिस्तान में संगठन के विभिन्न केंद्रों का सक्रिय तौर पर दौरा करता रहता है। लश्कर-ए-तैयबा में आतंकियों की भर्ती करने में तलहा की अहम भूमिका है। वह संगठन में बड़े पैमाने पर आतंकियों को भर्ती करता रहा है। इसके साथ ही संगठन के लिए फंड इकट्ठा करने में भी काफी माहिर है। वह भारत और अफगानिस्तान में आतंकी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। तलहा अपने पिता की तरह ही भारत के खिलाफ लगातार जहर उगलता रहता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- परिवर्तन के एक महत्त्वपूर्ण दौर से गुजर रही हैं हमारी सशस्त्र बल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

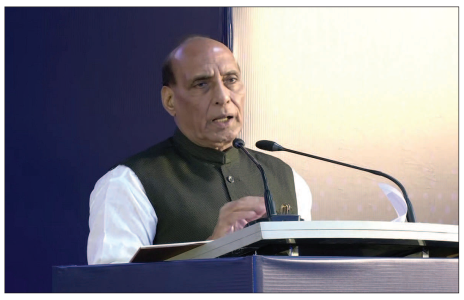

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि हमारे सशस्त्र बलों को घरेलू उद्योग को और अधिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि हमारे बलों ने रक्षा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता में पूरा सहयोग दिया है। राजनाथ ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए और एयरोस्पेस क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार की शुरुआत हुई थी। इसका उद्देश्य रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना था। गांधीनगर में %आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया% पर एचक्यूआईडीएस-फिक्की संगोष्ठी में रक्षा मंत्री बोल रहे थे।

राजनाथ ने कहा कि हमारी सशस्त्र बल परिवर्तन के एक महत्त्वपूर्ण दौर से गुजर रही हैं। बहुत तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक परिदृश्य, और उसके कारण सामने आ रहे चुनौतियों, खासकर पड़ोस की धमकी से निपटने के लिए हमारी तत्परता पिछले कुछ समय में काफी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की एक झलक आप देखेंगे, तो पाएंगे कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के क्रम में, हमारी रक्षा उद्योग को अपार अवसर प्राप्त हुए हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा उत्पाद की न केवल खरीद का आश्वासन, बल्किविश्व स्तरीय प्रौद्योगिकियों का विकास करने का उद्देश्य भी हमारे सामने पूरी तरह स्पष्ट हैढ्ढ इसके लिए सरकार ने पहली बार रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 त्न हिस्सा,उद्योग, स्टार्ट-अप और शिक्षा के लिए रखा है। उन्होंने कहा कि हम रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई और स्टार्ट-अप की भूमिका को पूरी तरह से समझते हैं। इसलिए, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए और अधिक अवसर पैदा करने के लिए, रक्षा नवाचार स्टार्ट-अप चुनौतियां और प्रौद्योगिकी विकास कोष का दायरा और विस्तारित किया गया है।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख ने पैरोल पर छूटने के बाद किया ऑनलाइन प्रवचन, नेताओं ने लगाई हाजिरी

चंडीगढ़ । हरियाणा के सुनारिया जेल से 40 दिन के पैरोल पर रिहा हुए साध्वी से दुष्कर्म के आरोपी डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन 'सत्संग' में रनाल पंचायती चुनाव में खड़े उम्मीदवारों और बीजेपी के कई नेताओं ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कार्यक्रम में करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता समेत बीजेपी के कई नेता शामिल हुए। राम रहीम ने उत्तर प्रदेश में अपने बागपत स्थित आश्रम से ऑनलाइन सत्संग को संबोधित किया। बलात्कार और हत्या के दोषी स्वयंभू बाबा से आशीर्वाद लेने के लिए करनाल के मेयर का एक वीडियो सामने आने के तुरंत बाद, विपक्ष ने भाजपा की खिंचाई की और आरोप लगाया कि हरियाणा में आगामी उपचुनाव और पंचायत चुनावों को प्रभावित करने के लिए राम रहीम को पैरोल दी गई। वायरल वीडियो में रेणु बाला को उपचुनाव का जिक्र करते और राम रहीम को राज्य में आमंत्रित करते हुए सुना जा सकता है। करनाल मेयर के कार्यक्रम में दोषी धर्मगुरु को 'पिजाती' (पिता) कहा जाने लगा। रेणु बाला के अलावा उप महापौर नवीन कुमार और वरिष्ठ उप महापौर राजेश अग्गी सहित अन्य नेता भी चुनाव के उम्मीदवारों के अलावा ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उद्धव ठाकरे बोले- सिर्फ शिवसेना का ही नहीं बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी खतरे में

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि न केवल उनकी पार्टी शिवसेना का बल्कि देश में लोकतंत्र का भविष्य भी खतरे में है। ठाकरे अपने पिता दिवंगत बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना की विरासत को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। ठाकरे मुंबई के दादर क्षेत्र में शिवसेना भवन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने पूर्व मंत्री संजय देशमुख को अपने खेमे में शामिल किया। इस मौके पर ठाकरे ने कहा कि शिवसेना में टूट हो जाने और पार्टी के खत्म हो जाने के दावों के बावजूद लोग अब भी उनके पास आ रहे हैं।

ठाकरे नीत महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार इस साल जून में विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद गिर गई थी। बाद में शिंदे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री बने। ठाकरे ने कहा, जो कुछ हुआ, उससे आम आदमी और विशेष कर सभ्य लोग सहमत नहीं हैं और वे अपना समर्थन हमें दे रहे हैं। वे मुझसे कह रहे हैं कि हार नहीं मानें, संघर्ष करें, हम आपके साथ हैं। जो हो रहा है, हम उससे सहमत नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, जिन लोगों के बारे में मैंने सोचा था कि वे कभी राजनीतिक रूप से करीबी नहीं होंगे, वे समर्थन में आगे आ रहे हैं। इसी तरह, विभिन्न धर्मों और क्षेत्रों के लोग हमें समर्थन दे रहे हैं। सिर्फ शिवसेना का नहीं बल्कि देश में लोकतंत्र का भविष्य खतरे में है। ठाकरे गुट में शामिल हुए देशमुख यवतमाल के दिगरास क्षेत्र से दो बार विधायक रहे हैं। वह पहले शिवसेना में थे और उसके बाद 2002 से 2004 के बीच कांग्रेस नीत गठबंधन सरकार में मंत्री रहे। वह कुछ समय के लिए भाजपा में भी थे।

भाजपा एमसीडी को चलाने में "नाकामी" के लिए बहाना न बनाएं: केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को पलटवार किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को 15 साल तक चलाने में अपनी ''नाकामी'' के लिए ''बहाना'' नहीं बनाने को कहा। केजरीवाल ने श्रृंखलाबद्ध ट्वीट में कहा कि दिल्ली नगर निगम के अगले चुनाव में लोगों को यह तय करना है कि उन्हें कूड़े की दिल्ली चाहिए या साफ़ सुथरी दिल्ली चाहिए।

उन्होंने कहा, ''15 साल से जो काम आप नहीं कर पाये, अब आपको तीन साल और चाहिए? जनता आप पर भरोसा क्यों करे? आप रहने दीजिए। आपसे नहीं होगा। अब हम दिल्ली को कूड़ा मुक्त करके दिखाएंगे।'' वह यहां एमसीडी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शाह द्वारा उनकी पार्टी पर लगाए गए आरोपों का जवाब दे रहे थे। शाह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल नीत 'आप' चाहती है कि दिल्ली 'आप निर्भर' हो जबकि भाजपा चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी आत्मनिर्भर हो।

शाह ने यहां तेहखंड में कचरे से बिजली बनाने के संयंत्र (डब्ल्यूटीई) का उद्घाटन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने पूर्व के तीन नगर निकायों के साथ सौतेला व्यवहार किया। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल सरकार पर इन तीनों निकायों के 40 हजार करोड़ रुपये बकाया हैं। केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा, ''केंद्र सरकार ने 15 साल में एमसीडी को कितने पैसे दिये? दोनों जगह भाजपा की सरकार थी। डबल इंजन। अपनी नाकामी के बहाने मत बनाइये। जनता को बताइए आपने 15 साल में क्या काम किया। मैं चुनौती देता हूं कि कोई एक काम बता दीजिए।

राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाक सीमा के पास संदिग्ध पक्षी पकड़ा गया

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास एक संदिग्ध पक्षी को पकड़ा गया। पक्षी के पंजों में छल्ले (अंगूठियां) थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों ने बताया कि बल के जवानों ने बृहस्पतिवार सुबह लोंगेवाला के पास एशियाई हुबारा बस्टर्ड पक्षी को पकड़ा जिसके पंजों में छल्ले पहनाए गये थे। सूत्रों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद पर 26 अक्टूबर होगी खड़गे की ताजपोशी

-बोले- पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ताजपोशी दीवाली के बाद 26 अक्टूबर को होगी वे इसी दिन कार्यभार संभालेंगे। खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम सभी को पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम करना है, पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता है। हमें साम्प्रदायिकता की आड़ में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने वाली फासीवादी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का आभार जताया है।

कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए संसद से सड़क तक संघर्ष करेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर खरे उतरेंगे। खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अपने अपने आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि देश को एक तानाशाह की सनक की भेंट नहीं चढाया जा सकता है इसलिए सभी को मिलकर इन ताकतों के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का भरोसा देते हुए खड़गे ने कहा, 'आपने मुझ पर भरोसा जताया है और गरीब परिवार में जन्मे एक सामान्य कार्यकर्ता को कांगेस का अध्यक्ष बनाया है, मैं आपके भरोसे पर खरा उतरूंगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, 'दिल्ली की सत्ता पर बैठे हुक्मरान बातें तो बहुत करते हैं पर काम कुछ नहीं करते। असलियत में उनके चरित्र को चार शब्दों में बताया जा सकता है-खोखला चना बाजे घना। देश में सबसे बड़ी समस्या कमरतोड महंगाई है, भयंकर बेरोजगारी है, अमीर गरीब के बीच की खाई है और सरकार के द्वारा देश में फैलाई जाने वाली नफरत है।'

खड़गे ने कहा कि पिछले 75 साल के दौरान कांग्रेस ने संविधान की रक्षा करते हुए लगातार देश के लोकतंत्र को मजबूत किया है लेकिन आज लोकतंत्र खतरे में है और संविधान पर हमला बोला जा रहा है, संस्थानों को तोड़ा जा रहा है ऐसे में कांग्रेस ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव करवा कर देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का उदाहरण पेश किया है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी के प्रमुख ने खाड़ी देशों से मानवीय सहायता बढ़ाने को कहा

बर्लिन। संयुक्त राष्ट्र के 'विश्व खाद्य कार्यक्रम' के प्रमुख ने दुनिया भर में जारी मानवीय संकट की स्थिति में खाड़ी देशों पर फिर से मानवीय सहायता बढ़ाने के लिए दबाव बनाया। 'विश्व खाद्य कार्यक्रम' के कार्यकारी निदेशक डेविड बीस्ली ने बृहस्पतिवार को एजेंसी के दूसरे बड़े दानदाता देश जर्मनी के विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्ज से मुलाकात के दौरान उक्त बात कही। शुल्ज ने भी जोर दिया कि रूस-यूक्रेन युद्ध और बढ़ती कीमतों के कारण पैदा हुए वैश्विक खाद्य संकट के मद्देनजर ''और देशों को धन दान करने की जरूरत है।'' बीस्ली ने बर्लिन में संवाददाताओं से कहा, ''अमेरिका, जर्मनी और कुछ अन्य राष्ट्र आगे बढ़कर सहायता कर रहे हैं, लेकिन कुछ और भी देश हैं जिन्हें आगे आना चाहिए... उदाहरण के लिए खाड़ी देश।'' उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से सिर्फ ईंधन की कीमत नहीं बढ़ रही है, बल्कि उर्वरकों और खाद्यान्न उत्पादन की लागत भी बढ़ रही है, इसलिए ''मेरे विचार में उनकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे अभूतपूर्व तरीके से (मदद के लिए) आगे आएं।'' बीस्ली ने कहा, ''अपना एक सप्ताह का शुद्ध मुनाफाहमें दे दें... क्या हम आपसे बहुत ज्यादा मांग रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''नहीं तो, कम से कम अपने ही क्षेत्र में यमन, लेबनान, सीरिया, जॉर्डन और सोमालिया में मानवीय संकट में मदद करें।

नेपाल में गोलीबारी के मामले में तीन भारतीयों सहित चार लोग गिरफ्तार

काठमांडू। भारत की सीमा से जुड़े नेपाल के मधेश प्रांत में हुई गोलीबारी की घटना को लेकर पुलिस ने तीन भारतीयों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया में बृहस्पतिवार को इस आशय की खबरें आयी हैं। 'माई रिपब्लिका' अखबार की खबर के अनुसार, मधेश प्रांत के बागमती निगम क्षेत्र में बुधवार को हुई गोलीबारी के सिलसिले में बिहार निवासियों गुलशन सिंह (22), सौरभ शाह (20) और रेहान सिंह (20) को गिरफ्तार किया गया है। गोलीबारी में घायल व्यक्ति का इलाज सारलाही जिले के नमुना अस्पताल में चल रहा है। नेपाली पुलिस ने बागमती नगर निगम के कोऑरेटिव के प्रमुख को भी गिरफ्तार किया है। गोलीबारी में घायल व्यक्ति यहीं काम करता था। अखबार के अनुसार, चारों आरोपी बुधवार की रात सीमा पार करने का प्रयास कर रहे थे, उसी दौरान गिरफ्तार किए गए।

रूस के लाखों लोगों ने पड़ोसी देशों में शरण ली

मास्को। मास्को की सड़कों पर इन दिनों पुरुष दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। महिलाओं और बच्चों की भीड़ दिखती है। इनमें पुरुषों की संख्या नगण्य है। जो पुरुष हैं दिखते हैं, वह बुजुर्ग हैं। युवा सड़कों पर क्यों नहीं निकल रहे हैं। जब पता किया गया तो पता चला कि करीब 2 लाख रूसी युवा कजाकिस्तान भाग गए हैं। इसके अलावा जजिया, आर्मेनिया, अजरबैजान, इजराइल अर्जेंटीना और पश्चिमी यूरोप के देशों में भी बड़ी संख्या में युवा रुसी पहुंच रहे हैं।

सेना में भर्ती को लेकर जो अभियान रूस में चल रहा है।उससे बचने के लिए युवा रूस छोड़कर,यहां वहां के देशों में शिफ्ट हो रहे हैं। युद्ध बंद होने के बाद ही रूस वापस लौटेंगे।

इंडोनेशिया के जकार्ता में भीषण आग से मस्जिद का गुंबद ढहा

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में इस्लामिक सेंटर मस्जिद में भीषण आद लगने के बाद विशाल गुंबद ढह गया। उत्तरी जकार्ता स्थित जामी मस्जिद के बड़े गुंबद में बुधवार को भीषण आग लग गई, जिसके बाद वह नीचे गिर गया। मस्जिद इस्लामिक अध्ययन और विकास पर एक थिंक टैंक जकार्ता इस्लामिक सेंटर से संबंधित भवन परिसर में स्थित है। स?थानीय मीडिया के मुताबिक, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है। बताया जा रहा है कि गुंबद परिसर में आग तब लगी, जब इसके रिनोवेशन का काम चल रहा था। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा गुंबद ही ढह गया। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। फिलहाल घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि मस्जिद की मरम्मत का काम करने वाली ठेकेदार कंपनी के चार कर्मचारियों से पूछताछ की गई है। जकार्ता की मस्जिद के गुंबद के ढहने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि गुंबद के एक हिस?से में आग लगी हुई है। कई सारे लोग इस आग को बुझाने में लगे हुए हैं लेकिन हवा तेज होने के कारण आग बढ़ती जा रही है। गुंबद के आसपास काफी धुंआ है, तभी अचानक गुंबद ताश के पत?तों की तरह ढह जाता है। इंडोनेशिया मीडिया ने बताया कि स्थानीय समयानुसार दोपहर 3 बजे के बाद दमकलकर्मियों को आग लगने की सूचना दी गई, जिसके बाद कम से कम दस फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। हालांकि, गुंबद में आग कैसे लगी इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, मीडिया के मुताबिक, गुंबद में रिनोवेशन का काम चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान आग लगी होगी।

सुप्रीम लीडर खामेनेई के सम्मान में गीत गाने से 16 साल की ईरानी छात्रा ने किया इनकार, कक्षा में पीट-पीटकर कर दी गई हत्या

एक 16 वर्षीय ईरानी लड़की की उसकी कक्षा में सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर पिटाई के बाद मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य छात्रों की प्रशंसा में राष्ट्रगान गाने से इनकार करने पर लड़की की पिटाई की गई। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते उत्तर-पश्चिमी अर्दबील शहर में हुई जब सुरक्षा बल शहीद गर्ल्स हाई स्कूल में छापेमारी कर रहे थे। सुरक्षा बलों ने लड़कियों को उस गीत को गाने के लिए मजबूर किया, लेकिन जब असरा पनाही सहित अन्य लोगों ने इसका विरोध किया, तो उन्हें पीटा गया। बीबीसी ने ईरानी शिक्षक व्यापार संघों की समन्वय परिषद के हवाले से बताया कि असरा पनाही ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। हालांकि, अधिकारियों ने असरा पनाही की मौत की जिम्मेदारी लेने से इनकार किया है। असरा पनाही की मौत ऐसे समय में हुई है जब ईरान सरकार विरोधी प्रदर्शन देख रहा है जो एक महीने पहले शुरू हुआ था। 22 वर्षीय महसा अमिनी की हिरासत में मौत के बाद ईरान में महिलाएं शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। महसा अमिनी को ईरान की कुख्यात नैतिकता पुलिस ने हिजाब नहीं पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो ईरान में महिलाओं द्वारा भारी विरोध दिखाते हैं। कई वीडियो में, महिलाओं को 'महिला, जीवन, स्वतंत्रता' और 'तानाशाह की मौत' जैसे नारों के साथ पुरुष अधिकारियों का सामना करते देखा जा सकता है।

यूक्रेन जंग- पुतिन की परमाणु बम के हमले की धमकी से सहमा ब्रिटेन

-ब्रितानी लोग हमले से बचने खरीद रहे बंकर

लंदन । यूक्रेन में रूस के हमलों को 7 महीने से भी ज्यादा हो गए और उसने हमले तेज कर दिए हैं। इस युद्ध को लेकर पूरी दुनिया में हड़कंप मचा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध में एक बार फिर से तेजी ला दी है। इतना ही नहीं उन्होंने इशारों ही इशारों में परमाणु हमले की भी धमकी दे डाली है। लिहाज़ा अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने भी कमर कस ली है। नाटो ने सोमवार को उत्तर पश्चिमी यूरोप में अपना परमाणु अभ्यास शुरू किया। ज़ाहिर है लोगों के मन में न्यूक्लियर अटैक को लेकर डर समा गया है। ब्रिटेन के लोग तो इतने डर गए हैं कि वे अब न्यूक्लियर हमले से बचने के लिए बंकर खरीदने की तलाश में जुट गए हैं।

एक ब्रिटिश अखबार के मुताबिक पिछले तीन दिनों से ब्रिटेन के नागरिक न्यूक्लियर अटैक से बचने के लिए बंकर के जुगाड़ में जुट गए हैं। अखबार ने दावा किया है कि यहां के गांव में रहने वाले करीब 200 नागरिकों ने एंटी न्यूक्लियर बंकर खरीदने के बारे में पूछताछ की है। यहां के ब्रुन्डल गांव के पास एक बंकर के लिए 25 हज़ार पाउंड यानी करीब 23 लाख रुपये की बोली लगी है। प्रॉपर्टी को बेचने में मदद करने वाली वेबसाइट यूनिक प्रॉपर्टी बुलेटिन के मालिक रस मैकलीन ने कहा कि पुतिन की धमकी के बाद बंकर खरीदने में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। उसने दावा किया है कि उन्हें बंकर को लेकर तीन हज़ार से ज्यादा कॉल आईं हैं। लोग मेल कर रहे हैं। मैसेज भेज रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोग बहुत चिंतित और डरे हुए हैं। मुझे लोगों को संकट में देखना पसंद नहीं है। लोग अपने परिवार को बचाना चाहते हैं।'

इसी तरह का एक और बंकर, ब्रुन्डल में भी है। साल 1961 में शीत युद्ध के दौरान ये बनाई गई थी। संरचना को एक स्टील और कंक्रीट के एक ठोस टुकड़े के रूप में डाला गया था ताकि परमाणु हमले से नुकसान न हो। खबरों के अनुसार, यह 1950 के दशक में शुरू हुए एक बड़े कार्यक्रम में निर्मित 1,560 समान बंकरों में से एक है।

बीजिंग में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के कारण सुरक्षाकर्मी एप्रिन पहनकर सामान से भरे बैग वाहन में रखते हुए।

यूक्रेन में बिगड़ते हालात- भारतीय दूतावास ने भारतीयों को शीघ्र देश छोड़ देने का दिया निर्देश

कीव । जंग से जूझ रहे यूक्रेन में 7 महीने से भी अधिक समय होने के बाद हालात सुधरने के बाद फिर से बिगड़ने लगे हैं इसे देखते हुए भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावासी की ओर से जारी एडवाइजरी में यूक्रेन में रह रहे भारतीयों को तुरंत यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा गया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति और युक्रेन में हाल ही में बढ़े संघर्ष को देखते हुए भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है।

बता दें कि रूस के लगातार जारी मिसाइल हमलों और गोलाबारी से बुधवार को यूक्रेन के और अधिक गांवों, कस्बों तथा दो शहरों के कुछ हिस्से बिजली के बिना अंधकार में डूब गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कीव को झुकाने के लिए मॉस्को इसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के चार क्षेत्रों में मार्शल लॉ घोषित कर दिया और रूस के सभी क्षेत्रों के प्रमुखों को अतिरिक्त आपातकालीन शक्तियां प्रदान कर दीं। पुतिन ने मार्शल लॉ के तहत उठाए जाने वाले कदमों को तत्काल स्पष्ट नहीं किया, लेकिन कहा कि उनका आदेश बृहस्पतिवार से प्रभावी होगा। उन्होंने अपने आदेश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को विशिष्ट प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन का समय दिया है।

ब्रिटेन सरकार में जारी उथल-पुथल के बीच लिज ट्रस ने प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

केवल 6 हफ्तों का रहा कार्यकाल

सियोल (एजेंसी)।

लंदन। ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के एक अन्य सांसद ने प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस पर अविश्वास का पत्र सौंपा जिसके कुछ समय बाद लिज ट्रस ने इस्तीफा दे दिया। लिज ट्रस केवल छह हफ्ते पहली ही ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनी थी लेकिन देश में महंगाई आसमान छू रही है और उनकी हर नीति विफल होती दिखाई दे रही थी।ऐसे में पार्टी के अंदर ही उन्हे पद से हटाने की मांग होने लगी और आखिर में केवल छह हफ्ते के अंदर लिज को अपने पद को छोड़ना पड़ा।

आपको बता दे कि ब्रिटेन की लिज ट्रस की सरकार से एक वरिष्ठ मंत्री के इस्तीफे और संसद के निचले सदन में सदस्यों द्वारा जमकर आलोचना के घटनाक्रम के बाद से ही उनके (ट्रस के) पद पर बने रहने को लेकर संशय पैदा हो गया था। पिछले महीने सरकार ने एक आर्थिक योजना पेश की थी, जिसके असफल होने के कारण आर्थिक उथल-पुथल और राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। इसके बाद ट्रस को वित्त मंत्री बदलने के अलावा अपनी कई नीतियों को भी उलटना पड़ा। साथ ही उनके कार्यकाल के दौरान सत्तारूढ़ कन्जरवेटिव पार्टी

में अनुशासनहीनता भी देखने को मिली है। कन्जरवेटिव पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि ट्रस को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, हालांकि वह अपनी जगह कायम हैं और साफ कह चुकी हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। कन्जरवेटिव पार्टी के सांसद साइमन होरे ने कहा कि सरकार अव्यवस्थित हो गई है। उन्होंने बृहस्पतिवार को बीबीसी से कहा, किसी के पास ठोस योजना नहीं है। यह दिन-प्रतिदिन एक-दूसरे से उलझने के समान है। उन्होंने कहा कि ट्रस के पास स्थिति को बदलने के लिए लगभग 12 घंटे हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री एनी-मैरी ट्रेवलिन ने बृहस्पतिवार को सरकार का बचाव करते हुए कहा कि सरकार स्थिरता प्रदान करने में जुटी है। हालांकि वह इस बात की गारंटी नहीं दे पाईं कि ट्रस अगले चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेंगी।

ट्रेवलिन ने कहा, फिलहाल, मुझे लगता है कि यह सही है। जनमत सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बड़ी बढ़त मिलती दिखाई दे रही है, जिसके मद्देनजर कन्जरवेटिव पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि ट्रस को हटाकर ही कोई उम्मीद की जा सकती है। लेकिन वे इस बात को लेकर बंटे हुए हैं कि उन्हें कैसे हटाया जाए। इसके अलावा अभी तक ट्रस के विकल्प के तौर पर कोई नाम भी सामने नहीं आया है। इससे पहले,भारतीय मूल की ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने लंदन में मंत्रिस्तरीय संचार के लिए अपने निजी ई-मेल का इस्तेमाल करने की ''गलती'' के बाद बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। ब्रेवरमैन (42) ने अपने ट्विटर हैंडल पर त्यागपत्र पोस्ट किया।

भारत के आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा अमेरिका, बोला- सना इरशाद मट्टू को रोके जाने पर नजर

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

भारत को लेकर अमेरिका का रवैया हमेशा ही दोहरा रहा है वह भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की कोशिश की है। अमेरिका ने प्रेस फ्रीडम का हवाला देते हुए कहा है कि वह पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार सना इरशाद मट्टू के मामले पर नजर रखे हुए है। कश्मीरी पत्रकार ने दावा किया था कि उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर अथॉरिटीज ने अमेरिका जाने से रोक दिया। उनके पास पासपोर्ट और अमेरिकी वीजा होने के बाद भी यह कार्रवाई की गई। अब इस पर अमेरिकी सांसद एडम स्किफ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि वह इस खबर से परेशान हैं कि मट्टू को पुलित्जर पुरस्कार लेने के लिए अमेरिका से रोका गया। उन्होंने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया को चुप करने और उसका उत्पीड़न करने की कोशिशें खत्म होनी चाहिए। डेमोक्रेटिक पार्टी में एडम स्किफ को बड़े नेताओं में शुमार किया जाता है। वह अमेरिकी संसद की स्पीकर नैन्सी पेलोसी के भी काफी करीबी हैं। इस बीच मट्टू के दावे पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस मामले की जानकारी है। पटेल ने कहा, 'हमें पता है कि मट्टू को अमेरिका आने से रोका गया है। हम पूरे मामले पर करीबी निगाह बनाए हुए हैं। हम प्रेस की आजादी के समर्थन को लेकर प्रतिबद्ध हैं।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत और अमेरिका की साझा प्रतिबद्धता है। इसमें प्रेस की आजादी भी शामिल है। क्या अमेरिका ने इस मसले को भारतीय विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया है? इस बारे में पूछने पर वेदांत पटेल ने कहा कि हमें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक संबंधों को लेकर मैं टिप्पणी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मुझे इस संबंध में जैसे ही कोई जानकारी मिलेगी, मैं आप लोगों से जरूर साझा करूंगा। गौरतलब है कि फोटो पत्रकार मट्टू को कोरोना काल के दौरान रिपोर्टिंग के लिए पुलित्जर पुरस्कार का ऐलान किया गया था।

इंडोनेशिया में होने जा रहे जी 20 शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं चिनफिंग

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने संकेत दिया है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग अगले महीने इंडोनेशिया में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने 16 अक्टूबर को यहां सप्ताह भर चलने वाले अपने कांग्रेस सत्र का आगाज किया था, जिसमें राष्ट्रपति चिनफिंग को रिकॉर्ड तीसरी बार पांच साल के कार्यकाल के लिए समर्थन मिलने की उम्मीद है।चीनी विदेश मंत्रालय ने चिनफिंग के 10 साल के शासन के तहत हासिल की गई ''राजनयिक सफलता'' के बारे में बताते हुए कहा कि उनके शासनकाल के दौरान चीन ने अपनी संप्रभुता और सुरक्षा को ''मजबूती से'' बरकरार रखा है। चिनफिंग को तीसरे कार्यकाल की मंजूरी मिलने के साथ ही शीर्ष नेताओं के 10 साल के कार्यकाल के बाद इस्तीफा देने का तीन दशकों से अधिक समय तक चला आ रहा नियम टूट जाएगा। सीपीसी और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि चीनी कूटनीति ने चिनफिंग के कार्यकाल के दौरान ''अभूतपूर्व और ऐतिहासिक'' सफलताएं हासिल की हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या चिनफिंग अगले महीने इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, विदेश मंत्रालय की सीपीसी समिति के सदस्य और उप मंत्री मा झाओसू ने कहा, ''हम इंडोनेशिया की जी20 अध्यक्षता को सक्रिय समर्थन देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''चीन को उम्मीद है कि शिखर सम्मेलन कोविड-19 के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने, विश्व आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और वैश्विक खाद्य ऊर्जा सुरक्षा की रक्षा करने में रचनात्मक भूमिका निभाएगा।''

4 साल बाद एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर आया पाकिस्तान, भारत ने दी तीखी प्रतिक्रिया

करांची (एजेंसी)।

वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली ईकाई फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की पेरिस में दो दिवसीय बैठक, शुरू हो गई है। जैसा की पहले ही उम्मीद जताया जा रहा था पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। चार साल के लंबे इंतजार के बाद पाकिस्तान इस सूची से बाहर आने में सफल रहा। वहीं पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर किए जाने को लेकर भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारत ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ये आतंकवाद से लड़ाई में एक काला धब्बा है। बता दें कि पिछले महीने ही पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया था कि एफएटीएफ की तकनीकी टीम ने इस्लामाबाद का 'सफल' दौरा किया था। जिसके बाद से ही अक्टूबर में मूल्यांकन प्रक्रिया के 'तार्किक निष्कर्ष' की उम्मीद पाकिस्तान की तरफ से जताई जा रही थी।

पाकिस्तान के लिए इसका क्या मतलब होगा?

पाकिस्तान को 2018 में 'रणनीतिक आतंकवाद-विरोधी वित्तपोषण-संबंधी कमियों' के कारण सूचीबद्ध किया गया था। एफएटीएफ ने देश को व्यापक सुधार कार्यक्रम दिया। यदि सूची से हटा दिया जाता है, तो पाकिस्तान को अनिवार्य रूप से एक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और आतंकवादी वित्तपोषण पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से स्वास्थ्य का एक स्वच्छ बिल प्राप्त होगा।

भारत ने जताया विरोध

एफएटीएफ की सूची से बाहर आने के बाद पाकिस्तान को लेकर जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक निजी चैनल से बात करते हुए कहा कि हमारा पड़ोसी देश भारत में शांति से खुश नहीं है। दुनिया देख

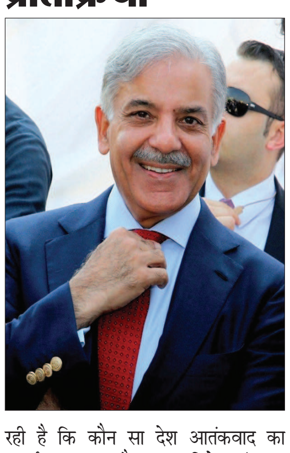

रही है कि कौन सा देश आतंकवाद का समर्थन कर रहा है। हमारा विदेश मंत्रालय सतर्क है और उचित कार्रवाई करता है।

थानेदार बोले- अगले साल सभी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करना लक्ष्य

-भारतीय मूल के महाराष्ट्रीयन थानेदार कर्नाटक के बेलगाम में पले-बढ़े

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में इन दिनों मध्यवधि चुनाव की धूम है आठ नवंबर को होने वाले इन चुनावों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने को तैयार भारतीय अमेरिकी श्री थानेदार ने कहा कि वह अगले साल सभी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने, मानवाधिकार और आव्रजन के मुद्दों पर अमेरिकी कांग्रेस में काम करेंगे। उद्योगपति एवं राजनेता थानेदार (67) ने फर्श से लेकर अर्श तक का सफर तय किया है।

अपने पिता को खोने के बाद उन्होंने अपने परिवार की मदद करने और शिक्षा जारी रखने के लिए एक चौकीदार की नौकरी की। इसके बाद अपनी कड़ी मेहनत के दम पर मुंबई में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में एक वैज्ञानिक के रूप में सेवाएं दीं। महाराष्ट्रीयन थानेदार कर्नाटक के बेलगाम में पले-बढ़े। थानेदार एक सफल व्यवसायी बनने के लिए अमेरिका आए थे और अब वह अपने समुदाय की सेवा करना चाहते हैं। वह मिशिगन के 13वें 'कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट' से डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार हैं।

प्राइमरी चुनाव जीतने के बाद उनका निर्वाचित होना तय है क्योंकि यह एक डेमोक्रेटिक गढ़ है। उन्होंने कहा, 'मेरे जिले का तीस प्रतिशत हिस्सा गरीबी रेखा पर या उसके नीचे है। मजदूर वर्ग के लोगों और उनके परिवारों ने काफी संघर्ष किया है... इस समुदाय ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान काफी परेशानियों का सामना किया।' थानेदार ने मीडिया को से कहा, '2य6 करोड़ लोगों के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है। मेरी प्राथमिकताओं में से एक यह है कि हर अमेरिकी को स्वास्थ्य सेवा के तहत कवर किया जाए। हर एक व्यक्ति भले ही उसकी आय कितनी भी हो उसे स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। मेरा मानना है कि यह एक मौलिक मानवाधिकार है और प्रत्येक व्यक्ति को पर्याप्त चिकित्सा, शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने का अधिकार है।''

कांग्रेस की रशीदा तालिब वर्तमान में कांग्रेस के 13वें 'कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट' का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरने के कारण यहां से अब थानेदार मैदान में हैं। कांग्रेस के 13वें 'कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट' में 45 प्रतिशत अफ्रीकी अमेरिकी हैं, अन्य 45 प्रतिशत श्वेत अमेरिकी और शेष हिस्पैनिक

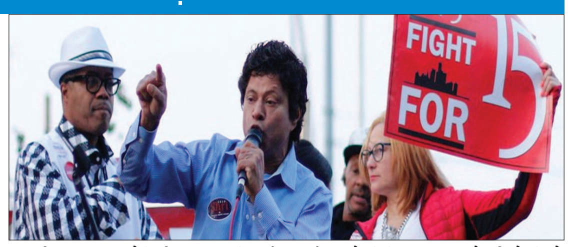

(जातीय समूह) अमेरिकी व कुछ एशियाई अमेरिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य किसी भी व्यक्ति की वहन करने की क्षमता से परे सभी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना है। इसका मतलब है कि हमें बीमा कंपनियों को खत्म करना होगा। सरकार स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए भुगतान करती है और हम स्वास्थ्य सेवा को रोजगार से अलग रखते हैं।'थानेदार वर्तमान में मिशिगन हाउस में तीसरे जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2018 में उन्होंने राज्य के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भारत-अमेरिका संबंधों पर किए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका को अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने की जरूरत है।

संपादकीय

ऐसे में कुछ नई पहल की जरुरत महसूस की गई। दो विकल्प सूझे। एक तो भारत जोड़ो यात्रा और दूसरा ढूंढें कोई ऐसा कंधा, जिस पर कांग्रेस की बुझी हुई बंदूक रखी जा सके। भारत कहाँ से टूट रहा है, जिसे आप जोड़ने चले हैं? वह वास्तव में टूटती-बिखरती कांग्रेस को जोड़ो यात्रा है।

कांग्रेसः राहुल ही अंतिम आशा

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कांग्रेस को 24 साल बाद सोनिया परिवार के बाहर का एक अध्यक्ष मिला है। क्यों मिला है? क्योंकि सोनिया-गांधी परिवार थक चुका था। उसने ही तय किया कि अब कांग्रेस का मुकुट किसी और के सिर पर धर दिया जाए। माँ और बेटे दोनों ने अध्यक्ष बनकर देख लिया। कांग्रेस की ताकत लगातार घटती गई। उसके महत्वपूर्ण नेता उसे छोड़-छोड़कर अन्य पार्टियों में शामिल होते जा रहे हैं। ऐसे में कुछ नई पहल की जरुरत महसूस की गई। दो विकल्प सूझे। एक तो भारत जोड़ो यात्रा और दूसरा ढूंढें कोई ऐसा कंधा, जिस पर कांग्रेस की बुझी हुई बंदूक रखी जा सके। भारत कहाँ से टूट रहा है, जिसे आप जोड़ने चले हैं? वह वास्तव में टूटती-बिखरती कांग्रेस को जोड़ो यात्रा है। इसमें शक नहीं कि इस यात्रा से राहुल को प्रचार काफी मिल रहा है लेकिन कांग्रेस से टूटे हुए लोगों में से कितने अभी तक जुड़े हैं? कोई भी नहीं। खैर, यात्रा अच्छी है। उससे कांग्रेस को कुछ फायदा हो या न हो, राहुल गांधी के अनुभव में जरुर वृद्धि होगी। लेकिन जो बंदूक नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कंधे पर रखी गई है, वह तो खाली कारतूसोंवाली ही है। यह तो सबको पता था कि शशि थरुर को तो हारना ही है लेकिन उनको हजार से ज्यादा वोट मिल गए, यही बड़ी बात है। इतने वोट सोनिया के विरुद्ध जितेंद्रप्रसाद को नहीं मिले थे। उन्हें तो लगभग 8 हजार के मुकाबले 100 वोट भी नहीं मिले थे। इसका कारण है, जितेंद्रप्रसाद, जिसके विरुद्ध अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे थे, वह महिला अपने पांव पर खड़ी थी लेकिन खड़गे तो बैसाखी पर फुदक रहे थे। चुनाव अभियान के दौरान खड़गे ने कई बार यह स्पष्ट कर दिया की वे रबर की मुहर बनने में ही परम प्रसन्न होंगे। थरुर भी खड़गे को चुनौती दे रहे थे और उन्होंने उन्हें टक्कर भी अच्छी दे दी लेकिन दबी जुबान से वे भी स्वामीभक्ति प्रकट करने में नहीं चूक रहे थे। याने गैर-गांधी अध्यक्ष आ जाने के बावजूद कांग्रेस जहां की तहां खड़ी है और वह ऐसे ही खड़ी रहेगी, ऐसी आशंका है। क्या थरुर के पास कोई नए विचार, नई नीतियां, नई रणनीति, नया कार्यक्रम और नए कार्यकर्त्ता हैं, जो इस अधमरी कांग्रेस में जान फूंक सकें? थरुर में ऐसी किसी क्षमता का परिचय आज तक नहीं मिला। ऐसी स्थिति में यह क्यों नहीं मान लिया जाए कि खड़गे को जो भी आदेश ऊपर से मिलेगा, कांग्रेस उसी रास्ते पर चलती रहेगी। शशि थरुर भी जितेंद्रप्रसाद की तरह खड़गे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने लगेंगे। हाँ, राहुल गांधी जो कि इस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक हैं, यदि वे चाहें तो अपनी पार्टी में प्राण फूंक सकते हैं। वे ही अंतिम आशा हैं लेकिन यह तभी होगा जबकि वे थोड़ा पढ़े-लिखें, जन-सम्पर्क बढ़ाएं और पार्टी तथा बाहर के भी अनुभवी लोगों से परामर्श करें और मार्गदर्शन लें। यदि यह नहीं हुआ तो कांग्रेस का हाल भी वही होगा, जो लोहिया की समाजवादी पार्टी और राजाजी की स्वतंत्र पार्टी जैसी कई पार्टियों का हुआ है। यदि ऐसा हुआ तो भारतीय लोकतंत्र के निरंकुश होने में कोई कसर बाकी नहीं रहेगी।

सूक्ति

जीवन को कभी हताश न हों, आपका जीवन वही है जहाँ से आपने शुरू किया था, और आज आप वही बन गये हैं जैसा आपने इसे बनाना चाहा। - रिचर्ड एल इवांस

केवल पढ़-लिख लेने से कोई विद्वान् नहीं होता। जो सत्य, तप, ज्ञान, अहिंसा, विद्वानों के प्रति श्रद्धा और सुशीलता को धारण करता है, वही सच्चा विद्वान् है। - अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

टीचर, 'निशू, 'हवा से बातें करना' शब्दों को किसी वाक्य में इस्तेमाल करो.'

निशू, 'सर ! कल मम्मी, पापा और मैं नहर पर सैर करने गए. मम्मी-पापा मुझे पुल पर खड़ा करके नहर किनारे सैर करने चले गए. उनके वापस आने तक मैं 'हवा से बातें ' करता रहा.'

☺ ☺ ☺

नंद किशोर, 'भई तुम्हारी शादी को 5 साल हो गए हैं और तुम कह रहे हो कि इन 5 सालों में तुम्हारी सास केवल एक बार ही तुम्हारे घर आईं यह कैसे हो सकता है?'

राम किशन, 'शादी के दूसरे ही दिन हमारे घर आ गई थीं तब से वापस जाने का नाम नहीं लिया तो फिर दोबारा हमारे घर आने का सवाल कैसे पैदा होता है.'

☺ ☺ ☺

एक महा कंजूस सेठ की बेटी की शादी के बाद जब डोली जाने लगी तो सेठ अपनी कम्पनी के मैनेजर से बोले, 'मुरारी लाल मेरी बेटी के दहेज के सामान में शतरंज के खेल का सारा सामान भी रख देना.'

मैनेजर हैरान होकर बोला, 'वो किसलिए सेठ जी, क्या बेटी ससुराल जाकर शतरंज खेलेगी?'

सेठ जी गुस्से से बोले, 'नहीं यह बात नहीं, दरअसल मैंने लड़के के पिता से वायदा किया था कि अपनी बेटी की विदाइगी हाथी-घोड़ों के साथ करूंगा.'

कॉंग्रेसः बुजुर्ग अध्यक्ष और 21 वीं सदी का चुनौतियों भरा ताज

लेखक- ऋतुपर्ण दवे

गिनाने की जरूरत नहीं सबको पता है कि के कामराज से लेकर सीताराम केसरी तक गैर नेहरू-गाँधी अध्यक्षों को कैसे-कैसे दौर से गुजरना पड़ा। बहरहाल तब और अब में फर्क तो दिखता है। हो सकता है कि परिस्थितियां इसके लिए मजबूर करें कि वैसी पुनरावृत्ति न हो। कॉंग्रेस का इतिहास देखें तो 137 साल के सफर में छठवी बार पार्टी अध्यक्ष का चुनाव हुआ है। बांकी वक्त पार्टी की कमान नेहरू-गांधी परिवार के हाथों में या फिर सर्वसम्मत चुने अध्यक्ष के पास रही। इस बार भी पहले की तरह गाँधी परिवार ने साफ कर दिया था कि वो इस दौड़ में नहीं है।

कॉंग्रेस ने आखिर 21 वीं सदी का पहला नया लोकतांत्रिक अध्यक्ष चुन ही लिया जो गाँधी परिवार के बाहर का है। यह जबरदस्त प्रचार और बेहद शांति के साथ आंतरिक लोकतंत्र की दुहाई के नाम पर हुआ। वह भी तब जब गाँधी परिवार का वारिस (जैसा दिखता है) 42 दिन से दिल्ली से बाहर है और पैदल-पैदल भारत जोड़ो यात्रा पूरी कर रहा है। बेशक पार्टी बेहद मुश्किल दौर में है, जनाधार तेजी से गिरा है, भविष्य क्या होगा इसको लेकर अनिश्चितता है। पार्टी में तेजी से फूट, गुटबाजी और बिखराव के बीच एक बड़ा संदेश देने की कोशिश कितनी कामियाब होगी यह वक्त बताएगा। अब कॉंग्रेस पार्टी का चुनौतियों से भरा ताज 80 बरस के मल्लिकार्जुन खड़गे के माथे पर है जिनका अनुभव भरा 55 साल का राजनीतिक सफर है। वो गाँधी परिवार के बेहद विश्वासी हैं। लेकिन यह भी जगजाहिर है कि गाँधी परिवार के बाहर के तमाम अध्यक्ष अपने अच्छे रिश्तों के चलते पार्टी अध्यक्ष तक पहुंचे जरूर लेकिन धीरे-धीरे कड़वाहट बढ़ती गई और देर-सबेर हटना या हटाना ही पड़ा। गिनाने की जरूरत नहीं सबको पता है कि के कामराज से लेकर सीताराम केसरी तक गैर नेहरू-गाँधी अध्यक्षों को कैसे-कैसे दौर से गुजरना पड़ा। बहरहाल तब और अब में फर्क तो दिखता है। हो सकता है कि परिस्थितियां इसके लिए मजबूर करें कि वैसी पुनरावृत्ति न हो। कॉंग्रेस का इतिहास देखें तो 137 साल के सफर में छठवी बार पार्टी अध्यक्ष का चुनाव हुआ है। बांकी वक्त पार्टी की कमान नेहरू-गांधी परिवार के हाथों में या फिर सर्वसम्मत चुने अध्यक्ष के पास रही। इस बार भी पहले की तरह गाँधी परिवार ने साफ कर दिया था कि वो इस दौड़ में नहीं है। उसके बाद जिस तेजी से अशोक गहलोत का नाम उभरा और मुख्यमंत्री की कुर्सी के मोह में पिछड़ा तब से मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत तेजी से सामने आए और शशि थरूर उनके प्रतिद्वन्दी बने। जीत गाँधी परिवार के वरदहस्त प्राप्त मल्लिकार्जुन खड़गे को मिली। जीतते ही उन्होंने सोनिया गाँधी से मिलने का वक्त मांगा। हुआ उल्टा शाम को बधाई देने खुद सोनिया गाँधी उनके घर पहुंची और बड़ा संदेश दे डाला। इससे पहले थरूर ने पहले उप्र में चुनाव में धांधली का आरोप लगाया बाद में खुद ही बड़ा दिल दिखाते हुए खड़गे को मुबारकबाद देने उनके घर जा पहुँचे। निश्चित रूप से यह पार्टी के लिहाज से सकारात्मक कहा जाएगा लेकिन सवाल फिर वही कि खड़गे का नेतृत्व कॉंग्रेस को कितना आगे ले जाएगा? थोड़ा अतीत में भी झांकना होगा। 1964 से 1967 तक के दौर में कॉंग्रेस दिग्गजों को सरकार से इस्तीफा दिलाकर संगठन में ला पार्टी को मजबूत करने वाला 'कामराज प्लान' अपने आप में अलग था। इसकी शुरुआत 1963 में खुद से ही की जब कामराज ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पद से स्तीफा देकर उदाहरण पेश किया। इसी कारण और कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्री भी इस्तीफे को विवश हुए। नेहरू जी की मृत्यु के बाद इन्हीं ने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में बड़ी राजनीतिक बिसातें बिछाईं और कामियाब भी हुए। लेकिन एकाएक कई मतभेदों के चलते दोनों के रिश्ते बिगड़ते चले गए। इसी चलते 1969 में कॉंग्रेस दो टुकड़े हो गई। सिंडिकेट के नियंत्रण वाला धड़ा कांग्रेस (ओ) हो गया और इंदिरा के नेतृत्व वाला धड़ा कांग्रेस (आर) बन गया जो मौजूदा कांग्रेस है। दो साल बाद 1971 में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ तमिलनाडु विधानसभा चुनाव भी हुए। इसमें कामराज अपने गुट की तरफ से मुख्यमंत्री के दावेदार थे। इधर इंदिरा गांधी ने भी जबरदस्त चाल चली उन्होंने द्रविण मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के एम करुणानिधि के साथ मिलकर खेला कर दिया। इन्दिरा कांग्रेस ने डीएमके से गठबंधन कर लिया और विधानसभा चुनाव में ही नहीं उतरी। उल्टा लोकसभा चुनाव खातिर डीएमके से सीटों का समझौता कर लिया और कामराज का मुख्यमंत्री बनने का सपना चूर-चूर कर दिया। इसी के बाद तमिलनाडु में ऐसे हालात बनते गए कि कॉंग्रेस खुद हासिए पर चली गई।

1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद के हालात भी देखने होंगे। हत्या पहले चरण के बाद हुई जिसके नतीजे कांग्रेस के लिए अच्छे नहीं थे। लेकिन बाद के चरण में सहानुभूति के चलते 232 सीटें जीतकर कॉंग्रेस बड़ा दल बनी फिर भी बहुतमत से पीछे रह गई। उसी समय सोनिया गाँधी को आगे आने के लिए खूब जोर आजमाइश हुई। लेकिन वो तैयार नहीं हुईं। आखिर में नरसिम्हा राव के नाम पर मुहर लगी जिन्होंने पूरे 5 साल गठबन्धन की सरकार चलाई और पार्टी भी संभाली। बतौर पार्टी अध्यक्ष अपनी मनमर्जी से संगठन चलाने और प्रधानमंत्री के रूप में देश चलाने से उनके गाँधी परिवार से रिश्ते बिगड़ने लगे। नरसिम्हा राव ने डूबती अर्थव्यवस्था को उदारीकरण के जरिए बचाया था। 1996 में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें कॉंग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा। सीताराम केसरी को भी गाँधी परिवार ने बड़े जोश-खरोश से अध्यक्ष बनाया था लेकिन संबंध ज्यादा दिनों तक नहीं निभे। कई नेताओं और सलाहकारों के द्वारा लगातार कान भरे जाने से हमेशा गाँधी परिवार के विश्वासी और भक्त माने जाने वाले केसरी भी आँखों की किरकिरी बन गए। अंततः 5 मई 1998 को अपनी ही बुलाई कॉंग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में उन्हें पार्टी की बदहाली का हवाला दिया गया और सोनिया गाँधी को अध्यक्ष बनाने की सिफारिश को कहा गया। केसरी ने इसे क्या ठुकराया उन्हें भी जबरदस्त अपमान का सामना झेलना पड़ा। वो बीच बैठक से चले गए और प्रणव मुखर्जी ने वरिष्ठता के नाते आगे अध्यक्षता की जिसमें दो प्रस्ताव पास हुए। एक में सीताराम केसरी को उनके कार्यकाल के लिए आभार जताया तो दूसरे में सोनिया गाँधी से अध्यक्ष पद स्वीकारने की अपील की गई। साल भर बाद एक बैठक में पहुंचने पर केसरी के कुर्ता फाड़ने व अपमानित करने की बातें सबने देखीं। नए कॉंग्रेस अध्यक्ष 6 भाषाओं के जानकार हैं। मूलतः दक्षिण भारत से होकर भी हिन्दी भाषा में जबरदस्त दखल रखते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले दूसरे महादलित नेता हैं। 1971 में बाबू जगजीवन राम पहले अध्यक्ष बने थे। दो बार सांसद और 9 बार लगातार विधायक रहने वाले खड़गे ने 2009 गुलबर्गा लोकसभा चुनाव जीत लगातार दसवीं जीत हासिल की। 2014 में मोदी लहर के बावजूद वो गुलबर्गा लोकसभा चुनाव जीते। लेकिन 2019 में मोदी की सुनामी के आगे वो गुलबर्गा लोकसभा चुनाव हार गए। 12 चुनाव लड़ने के दौरान यह उनकी पहली हार थी।

अब देखना होगा कि इस दौर में जब मीडिया और सोशल मीडिया बेहद सशक्त है, मल्लिकार्जुन खड़गे कॉंग्रेस को कहां तक ले जा पाते हैं। आज भी कुछ को छोड़ तमाम कॉंग्रेसी दिग्गज बड़ी बहसों, जनसंवादों में नदारत दिखते हैं। अखबारों में लेख लिख जान फूंकने की कोशिशें तो दूर, टीवी के फ्रेम में आने से भी डरते हैं। लेकिन खुद को सत्ता से बाहर हुआ मानने को तैयार नहीं! व्यवहार, आचरण में वही खनक वही रौब। जिनकी वार्ड चुनाव जीतने की औकात नहीं वो बड़े पदाधिकारियों की चाटुकारिता कर, विज्ञप्तिवीर बन संगठन में बरसों से काबिज हैं। क्या ऐसे चाटुकारों का भी हिसाब-किताब किया जाएगा? चंद हफ्तों बाद होने वाले हिमांचल और गुजरात चुनाव में कॉंग्रेस की स्थिति किससे छिपी है।

हां, एक सबसे बड़ा सवाल उभर रहा है कि राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा का 12 राज्यों से होकर 3570 किलोमीटर लंबा सफर मुकर्रर है। जिसमें खड़गे के अध्यक्ष बनने तक वो 1250 किलोमीटर तय कर चुके हैं। बेशक इससे कॉंग्रेस की स्थिति मजबूत होगी और उमड़ते जनसैलाब के संकेत सुकून भरे हैं। वहीं खड़गे को लेकर राहुल का बयान कि उनकी भूमिका नए अध्यक्ष तय करेंगे और वो खड़गे जी को रिपोर्ट करेंगे के कई मायने हो सकते हैं। जब यात्रा शुरू की थी तब सोनिया गाँधी अंतरिम अध्यक्ष थीं जब तक यात्रा का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा तय किया तो मल्लिकार्जुन अध्यक्ष हो गए। एक सवाल स्वाभाविक है जो सबके मन में है कि पार्टी में अव्वल कौन दिखेगा राहुल, खड़गे या सोनिया? लोकतंत्र की मजबूती की खातिर सशक्त विरोधी दल देश के लिए जरूरी है। अच्छा होता इस बार कॉंग्रेस आपसी विरोध न दिखा विरोधियों को अपनी ताकत दिखाती। कुछ भी हो लोगों में इसको लेकर उत्सुकता और वक्त का इंतजार है कि हैसियत में कौन ताकतवर होगा 10 राजाजी मार्ग (खड़गे निवास) या 10 जनपथ (सोनिया निवास)?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

विश्व हित में विकास का प्रकृति से तालमेल

डॉ शशांक द्विवेदी

हाल में ही विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा जारी नयी रिपोर्ट 'लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2022' के अनुसार वैश्विक स्तर पर 1970 से 2018 के बीच 48 वर्षों के दौरान वन्य जीवों की आबादी में 69 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। स्तब्ध कर देने वाली बात है कि नदियों में पाये जाने वाले जीवों की करीब 83 फीसदी आबादी अब नहीं बची है। 1970 के बाद फिशिंग 18 गुना बढ़ी है जिससे शार्क की आबादी में औसतन 71 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जैव विविधता में सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिण अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र में दर्ज किया गया है जहां वन्यजीवन में 94 फीसदी की गिरावट आई है। अफ्रीका में 66 फीसदी, एशिया और पैसिफिक इलाके में 55 फीसदी, उत्तरी अमेरिका में 20 फीसदी, यूरोप और मध्य एशिया में 18 फीसदी की रिकार्ड गिरावट दर्ज की गई है। मीठे पानी की मछली, सरीसृप और उभयचरों में पैटर्न सबसे अधिक स्पष्ट था। लिविंग प्लैनेट इंडेक्स (एलपीआई) में वन्यजीवों की 5230 प्रजातियों के 32,000 जीवों की आबादी का विश्लेषण किया है। यह इंडेक्स पिछले 50 वर्षों से स्तनधारी जीवों, पक्षियों, मछलियों, सरीसृपों और उभयचरों की आबादी को ट्रैक कर रहा है। साल के अंत में दुनिया के कई देश मॉन्ट्रियल में जैव विविधता की रक्षा के लिए एक नयी वैश्विक योजना तैयार करने के लिए मिलने वाले हैं। एक सच्चाई यह भी है कि जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के जितने भी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यक्रम होते हैं, उनमें विकासशील और विकसित देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर विवाद होता है। विकसित देश अधिक जिम्मेदारी उठाना नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि विकासशील देश ही दुनिया में गर्म होती जलवायु, कम होते जंगलों, विलुप्त होते प्राणियों, प्रदूषित होती नदियों, सभी को बचाने का काम करें। इन कामों के लिए वे पर्याप्त आर्थिक मदद देने के लिए भी तैयार नहीं हैं। जैव विविधता के लिए आधुनिक विकास और प्रकृति संरक्षण दोनों के बीच तालमेल बैठाना बहुत जरूरी है नहीं तो इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। वास्तव में कोरोना का वैश्विक संकट इसका ही नतीजा था और अभी भी बरकरार है। जीव-जंतुओं और पौधों की लगभग 50 प्रजातियां रोजाना विलुप्त हो रही हैं इसलिए अब पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण किया जाना जरूरी है। हमारे पूर्वज पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक प्रबंधन में माहिर थे। उनके संस्कार जनित प्रयासों से ही हम जैव विविधता बचा पाये हैं और प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए सबकी जरूरत पूरी करते रहे। पर्यावरण का निरंतर क्षरण रोज की बात है पर अब तो दुनिया भर में पाये जाने वाले पेड़-पौधों और जीव-जन्तुओं की करीब एक तिहाई प्रजातियां भी विलुप्त होने के कगार पर हैं। जनसंख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है, वहीं मानव अन्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को नष्ट कर उनकी जगह भी पसरता जा रहा है। जैव विविधिता संरक्षण बिना विकास का कोई महत्व नहीं है। लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट के अनुसार, ताजे पानी के इलाकों में जैव विविधता में ज्यादा कमी आई है। ताजा पानी धरती के महज एक प्रतिशत हिस्से पर मौजूद है। मगर दुनिया की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी ताजे पानी के 3 किलोमीटर के दायरे के अंदर रहती है। ऐसे में मानव की बढ़ती आबादी का दबाव बाकी जीवों पर आयेगा ही। इसी दबाव के कारण जलचरों की आबादी में 83 प्रतिशत की कमी आई है। जंगलों की ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की भूमिका के बारे में सभी जानते हैं। दुनियाभर के जंगल वातावरण से 7.6 गीगाटन कार्बन डाई ऑक्साइड सोखते हैं जो मानव गतिविधियों से दुनिया में पैदा हुई कार्बन का 18 प्रतिशत होती है। जंगल कुल मिलाकर इस धरती को 0.5 डिग्री ठंडा रखते हैं। मगर इसके बावजूद हम 10 मिलियन हैक्टेयर जंगल हर साल खो देते हैं यानी हर साल एक पुर्तगाल खो रहे हैं।

भारत में सबसे ज्यादा जैव विविधता है। इसके संरक्षण की दिशा में काम करना जरूरी है। देश की आधी आबादी को कृषि से रोजगार मिल रहा है। हमारी सोच होनी चाहिए कि जीव-जंतुओं का महत्व हमसे कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र ने भी कहा है कि सभ्यता और संस्कृति का बड़ा महत्व है। दुनिया को मिलकर यह प्रयास करना चाहिये कि कौन सा प्रयास बेहतर है जिसको और जगह भी अपनाया जा सके। विश्व की बढ़ती आबादी की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में कृषि जैव विविधता के संरक्षण से टिकाऊपन बनाये रखने के लिए अब ठोस प्रयास जरूरी हैं। जैव विविधिता का क्षरण अकेले किसी एक देश अथवा महाद्वीप की समस्या नहीं है और न ही कोई अकेला देश इस समस्या से निपटने हेतु उपाय कर सकता है। वैश्विक समुदाय को जैव विविधिता संकट के लिए जिम्मेदार माना जाता है और यह समस्या भी वैश्विक समुदाय की ही है। सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि मिल जुलकर इस समस्या से निपटने के रास्ते तलाशें और योजनाएं क्रियान्वित करें। वर्तमान में विकास की दुहाई देकर जैव विविधिता का जिस प्रकार शोषण किया जा रहा है उसका दूरगामी दुष्परिणाम भी विकास पर ही देखने को मिलेगा। जैव विविधता पृथ्वी की सबसे बड़ी पूंजी है। पर विकास का इस पर विपरीत असर पड़ रहा है। आवश्यक है कि विकास के लिए जैव विविधिता के साथ बेहतर तालमेल बनाया जाये। देश के प्राकृतिक संसाधनों का ईमानदारी से दोहन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनता की सकारात्मक भागीदारी की जरूरत है। इसके लिए जन जागरूकता लानी होगी। जैव विविधता संरक्षण का सवाल पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़ा है। इसलिए विश्व के जीन पूल को कैसे बचाया जाये इस पर पूरी दुनिया को गंभीरता से विचार करते हुए ठोस निर्णय लेना होगा।

(चिंतन-मनन)

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है 'मैं'। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि 'जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है' तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं 'मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार ह' अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन?स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

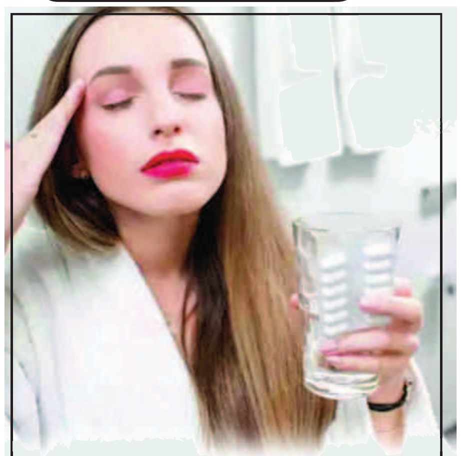

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

रुपया 6 पैसे गिरकर 83.06 पर

मुंबई । विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के चलते रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे टूटकर 83.06 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर में गिरावट और निवेशकों के जोखिम न लेने की प्रवृत्ति से भी रुपया प्रभावित हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.05 पर कमजोर खुला और फिर फिसलकर 83.06 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे टूट गया। शुरुआती सौदों में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.07 के स्तर तक गया। रुपया पिछले सत्र में बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 60 पैसे की गिरावट के साथ पहली बार 83 रुपए के स्तर से नीचे चला गया था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 113.06 पर आ गया।

अडाणी ट्रांसमिशन ने बीएमसी की बेस्ट के साथ स्मार्ट मीटर लगाने किया करार

मुंबई । अडाणी ट्रांसमिशन ने कहा कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की अनुषंगी के साथ उसने 10.80 लाख स्मार्ट मीटर लगाने और उनकी देखरेख का करार किया है। सूत्रों ने बताया कि अडाणी ट्रांसमिशन की अनुषंगी अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई और बीएमसी की अनुषंगी बृहन्मुंबई बिजली आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) के बीच यह करार 1,300 करोड़ रुपए में हुआ है। अडाणी इलेक्ट्रिसिटी उपनगरों में बिजली वितरण करती है। एक बयान में बताया गया कि हालिया करार के तहत कंपनी को 30 महीने के दौरान स्मार्ट मीटर लगाने हैं और इसके अगले 90 महीने तक इनकी देखरेख करनी है। इसमें बताया गया कि इस तरह के मीटर लगने पर उपभोक्ता अपनी खपत के बारे में ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और उसी के अनुसार कदम भी उठा सकेंगे। इसमें प्रीपेड बिलिंग तथा अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। अडाणी ट्रांसमिशन में वितरण के मुख्य कार्यकारी कंदर्प पटेल ने कहा कि हमें भरोसा है कि हम समयबद्ध तरीके से और उम्मीदों के अनुरूप यह परियोजना पूरी कर सकेंगे जिससे बेस्ट की अनुषंगी और उपभोक्ताओं को डिजिटलीकरण का पूरा-पूरा लाभ मिल सकेगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़

नई दिल्ली । एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने को शेयर बाजारों को बताया कि फंसे कर्ज में लगातार गिरावट और कर्ज वितरण में वृद्धि से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। जयपुर स्थित बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में 279 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। बैंक की कुल आय भी आलोच्य तिमाही में पिछले वर्ष के 1,597 करोड़ रुपए के मुकाबले 40.3 प्रतिशत बढ़कर 2,240 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान बैंक का सकल अग्रिम बढ़कर 52,452 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले समान अवधि के दौरान यह 36,405 करोड़ रुपए था। बैंक ने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 1.90 हो गईं जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.16 प्रतिशत थी। बीती तिमाही के दौरान एनपीए भी पिछले वर्ष के 1.65 प्रतिशत से घटकर 0.56 प्रतिशत पर आ गया।

AU SMALL FINANCE BANK

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में साप्ताहिक एक्सपायरी के दिन यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही उर्जा, आईटी और धातु शेयरों में भारी खरीददारी से आया है। इसके अलावा एफएमसीजी, फार्मा और इंफ्रा शेयरों में भी उछाल आया जबकि बैंकिंग, रियल्टी, और वाहन शेयरों में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 95.71 अंक करीब 0.16 फीसदी बढ़कर 52,202.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 51.70 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी बढ़कर 17,563.95 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, नेस्ले, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहे जबकि दूसरी ओर इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे अधिक 4.71 फीसदी की गिरावट आई। एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं गत सत्र में यानी सेंसेक्स ओर निफ्टी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का

निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में मिला-जुला प्रभाव रहा। अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.16 फीसदी की बढ़त के साथ ही 93.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। इसके बाद भी बाजार उछला है। इसका कारण सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक के दूसरी तिमाही के परिणाम अनुमान से अच्छे रहना है। बैंक को दूसरी तिमाही में 2,525 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ।

भारत, ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता जल्द होने की उम्मीद: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली । वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारत तथा ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बातचीत सही दिशा में चल रही है और दोनों पक्षों के बीच यह समझौता जल्द होने की उम्मीद है। बर्थवाल ने कहा कि वार्ताकारों ने कई चीजों को अंतिम रूप दे दिया है जबकि कई पर अभी फैसला लिया जाना है। सीआईआई राष्ट्रीय निर्यात सम्मेलन से इतर उन्होंने संवाददाताओं से कहा` कि हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं, बातचीत भी चल रही है। हम सही रास्ते पर हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बात चल रही है। पहले इस समझौते पर बातचीत दीपावली तक पूरी करने का इरादा था लेकिन अब इस समयसीमा को टाल दिया गया है। समझौते के लिए नई समयसीमा के बारे में सवाल के जवाब में बर्थवाल ने कहा कि यह तो इस पर निर्भर करेगा कि वार्ता कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा` कि हम बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही समझौते पर पहुंच जाएंगे। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत औपचारिक रूप से जनवरी में शुरू हुई थी।

एलन मस्क के साथ ट्विटर खरीदने को लेकर 44 अरब डॉलर की डील जल्द होगी पूरी

- न्यायाधीश ने मस्क के अनुरोध पर मामले को 28 अक्टूबर तक फ्रीज कर दिया था

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के साथ ट्विटर खरीदने को लेकर हुई 44 अरब डॉलर की डील जल्द ही पूरी हो सकती है। बताया गया है` कि एलन मस्क ने कहा कि वह सोशल मीडिया साइट को खरीदने के लिए उत्साहित हैं, लेकिन इसके लिए जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च कर रहे हैं। एक पड़ाव पर डील रद्द होने की घोषणा के बाद कोर्ट पहुंचे मामले पर अमेरिकी न्यायाधीश ने मस्क के ट्विटर के प्रस्तावित अधिग्रहण को 28 अक्टूबर तक किसी भी हाल में पूरा करने का मौका दिया था। एलन मस्क ने टेस्ला की तिमाही अर्निंग कॉल के मौके पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि ट्विटर काफी समय से कमजोर हुआ है, लेकिन उसमें एक अविश्वसनीय क्षमता है। उन्होंने कहा कि फिर भी वह और उनके निवेशक अभी भी ट्विटर के लिए अधिक भुगतान कर रहे हैं। मस्क ने कहा कि ट्विटर में अभी की तुलना में बहुत अधिक क्षमता है। ट्विटर के कड़े विरोध के बावजूद डेलावेयर न्यायाधीश कैथलीन मैककॉर्मिक ने मस्क के अनुरोध पर मामले को 28 अक्टूबर तक फ्रीज कर दिया था। डेलावेयर चांसरी कोर्ट की जज कैथलीन सेंट जूड मैककॉर्मिक ने अपने आदेश में मस्क को समय देते हुए कहा कि अगर मस्क 28 अक्टूबर तक इस डील को पूरा नहीं करते हैं तो नवंबर से उनके खिलाफ ट्रायल शुरू किया जाएगा। इससे पहले मस्क का केस लड़ रहे वकीलों ने कोर्ट में गुहार लगाई थी कि ट्विटर डील को पूरा करने के दौरान कोर्ट केस को रोक दिया जाए, ताकि अधिग्रहण को पूरा करने के लिए फाइनेंस और अन्य कागजी कार्रवाई पूरी की जा सके।

रिलायंस कैपिटल को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव

- रिलायंस कैपिटल के जनरल इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस वेंचर्स को खरीदने चार कंपनियां होड़ में

नई दिल्ली ।

भारी कर्ज का सामना कर रही उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को एडमिनिस्ट्रेटर ने कंपनी को चार कोर इनवेस्टमेंट कंपनियों (सीआईसी) में बांटने का प्रस्ताव रखा है। इसे कंपनी का स्ट्रक्चर पूरी तरह बदल जाएगा। इस कंपनी के लिए बिडिंग प्रोसेस एडवांस स्टेज में पहुंच चुका है। रिलायंस कैपिटल के जनरल इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस वेंचर्स को खरीदने के लिए चार कंपनियां होड़ में हैं। इनमें पीरामल, ज्यूरिख, एडवेंट प्राइवेट इक्विटी और आदित्य बिड़ला कैपिटल शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रिलायंस कैपिटल के एडमिनिस्ट्रेटर ने अपने प्रस्ताव पर आरबीआई से मंजूरी मांगी है। हालांकि उनके इस प्रपोजल से कई जानकारों को हैरानी हुई है। आरबीआई के मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी कंपनी में एक से अधिक सीआईसी की अनुमति नहीं है। इसलिए रिलायंस कैपिटल को चार सीआईसी में बांटने के लिए आरबीआई से हरी झंडी की जरूरत होगी। एडमिनिस्ट्रेटर ने रिलायंस कैपिटल से चार सीआईसी बनाने का प्रस्ताव रखा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है इस कवायद का मकसद रिलायंस कैपिटल के इंश्योरेंस बिजनस के लिए बोली लगाने वाली कंपनियों की मदद करना है। इससे उन्हें इंश्योरेंस रेगुलेटर आईआरडीएआई की पांच साल के लॉक इन पीरियड वाले नियम से बचने का मौका मिलेगा। आईआरडीएआई के मौजूदा गाइडलाइंस के मुताबिक किसी इंश्योरेंस कंपनी में प्रमोटर्स और दूसरे निवेशकों की इक्विटी कंट्रीब्यूशन के लिए पांच साल का लॉक इन पीरियड होगा लेकिन एडमिनिस्ट्रेटर की लीगल एडवाइजर फर्म के मुताबिक रिलायंस कैपिटल के प्रस्तावित स्ट्रक्चर पर यह नियम लागू नहीं होगा। इससे एडवेंट प्राइवेट इक्विटी जैसी कंपनियों को किसी भी समय इंश्योरेंस वेंचर से निकल सकेंगी। माना जा रहा है कि एडमिनिस्ट्रेटर की तीन सदस्यीय एडवाइजरी कमेटी ने रिलायंस कैप की रिस्ट्रक्चरिंग को मंजूरी दे दी है। इस कमेटी में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व डीएमडी संजीव नौटियाल, एक्सिस बैंक के पूर्व डीएमडी श्रीनिवासन वर्दराजन और टाटा कैपिटल के पूर्व सीईओ प्रवीण के कांदले शामिल हैं। आरबीआई के नियमों के मुताबिक सीआईसी एक एनबीएफसी है जो शेयरों और सिक्योरिटीज के एक्विजिशन का बिजनस करती है। इसकी 90 फीसदी से अधिक नेट एसेट्स ग्रुप कंपनियों में एक्विटी शेयर्स, प्रीफरेंस शेयर्स, बॉन्ड्स, डिबेंचर्स, डेट या लोन के रूप में निवेश होता है। रिलायंस कैपिटल में करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है।

बिहार के बरौनी प्लांट से यूरिया उत्पादन शुरू

- बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में हो जाएगी यूरिया आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली ।

बिहार के बरौनी प्लांट से यूरिया का उत्पादन शुरू हो गया है। जिससे बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और पं बंगाल सहित देश के कई राज्यों में यूरिया की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड के बरौनी प्लांट को मोदी सरकार ने दोबारा से निर्माण कराया है! केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि अत्याधुनिक गैस आधारित बरौनी प्लांट सरकार द्वारा फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और हिंदुस्तान फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड की बंद पड़ी यूरिया इकाइयों को पुनर्जीवित करने की एक पहल का हिस्सा है। यूरिया क्षेत्र में घरेलू स्तर पर उत्पादित यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एफसीआईएल और एचएफसीएल की बंद इकाइयों का पुनरुद्धार वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता का एजेंडा रहा है। केंद्र सरकार ने हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड को बरौनी इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए 8,387 रुपए के अनुमानित निवेश की मंजूरी दी है। इस प्लांट की 12.7 एलएमटीपीए की यूरिया उत्पादन क्षमता होगी। एचयूआरएल 15 जून, 2016 से अधिकृत एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसे कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), एनटीपीसी लिमिटेड (एनटीपीसी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और एफसीआईएल /एचएफसीएल के साथ मिलकर गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी इकाइयों को अनुमानित रूप से पुनर्जीवित करने के लिए अधिकृत किया गया है। मोदी सरकार ने इस कार्य के लिए 25,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एचयूआरएल के तीनों संयंत्रों के शुरू होने से देश में 38.1 एलएमटीपीए स्वदेशी यूरिया उत्पादन बढ़ेगा और यूरिया उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में मदद मिलेगी। यह भारत की सबसे बड़ी उर्वरक निर्माण इकाइयों में से एक है, जिसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रखी थी। यह परियोजना न केवल किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में सुधार करेगी बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा सड़कों, रेलवे, सहायक उद्योग आदि जैसे बुनियादी ढांचे के विकास सहित क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगी।

एचयूआरएल संयंत्रों में डीसीएस (डिस्ट्रिब्यूटेड कंट्रोल सिस्टम), ईएसडी (आपातकालीन शटडाउन सिस्टम) और पर्यावरण निगरानी प्रणाली आदि से लैस अत्याधुनिक ब्लास्ट प्रूफ कंट्रोल रूम जैसी कई अनूठी विशेषताएं हैं।

यूपी-बिहार में महंगा हो गया पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान तेजी दिखाई दी है। ब्रेंट क्रूड के भाव एक बार फिर 92 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चले गए हैं। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को यूपी और बिहार के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव कर दी है। लेकिन दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बदले हैं। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 33 पैसे महंगा होकर 96.92 रुपए लीटर और डीजल 32 पैसे महंगा होकर 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे गिरकर 96.26 रुपए लीटर और डीजल 32 पैसे टूटकर 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 5 पैसे महंगा होकर 107.59 रुपए लीटर और डीजल 4 पैसे महंगा होकर 94.36 रुपए लीटर हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सिंगल चार्ज में 307 किलोमीटर चलेगी अल्ट्रावायलेट एफ 77 स्पोर्ट्स बाइक

23 अक्टूबर से 10,000 की राशि पर बुकिंग के लिए उपलब्ध

मुंबई ।

अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव ने सबसे ज्यादा रेंज देने वाली देश की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक अल्ट्रावायलेट एफ 77 से पर्दा उठा दिया है। अल्ट्रावॉयलेट एफ 77 इस साल 24 नवंबर को लांच होने वाली है। इससे पहले बाइक 23 अक्टूबर से 10,000 की राशि पर बुकिंग के लिए उपलब्ध होगी। ई-बाइक के लिए पहला अनुभव जोन बेंगलुरु में होगा और इसके बाद चरणबद्ध तरीके से विस्तार होगा।

इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता कंपनी का दावा है कि यह इलेक्ट्रिक बाइक काफी हल्के फ्रेम के साथ आएगी, जो बेहतर हैंडलिंग और काफी फुर्तीली होगी। मोटरसाइकिल निर्माता ने दावा किया कि अल्ट्रावायलेट एफ77 की मोटर माउंट पहले की तुलना में 30 प्रतिशत हल्का हो गई है, और साथ ही दो गुना सख्त हो गया है, जिससे मोटर और बाइक के लिए भी बेहतर स्थिरता मिलेगी। इस अपडेट इलेक्ट्रिक बाइक में एक अपडेटेड बैटरी पैक से लैस किया गया है, जिसमें पैकेज में एयरोस्पेस तकनीकी और यूजर टेक्नोलॉजी का मिश्रण देखने को मिलेगा। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए बाइक के ट्रांसमिशन को रिफाइन किया गया है। इसमें अपडेट स्विंगआर्म है, जो बेहतर राइडिंग कम्फर्ट और बेहतर परफॉर्मेंस देने का दावा करता है।

लिथियम-आयन बैटरी पैक मॉड्यूलर के रूप में आती है। अल्ट्रावायलेट का दावा है कि इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के बैटरी पैक में पहले की तुलना में ज्यादा एनर्जी स्टोर करने की छमता है, जिससे बाइक की परफॉर्मेंस और रेंज में भी काफी सुधार हुआ है। मोटरसाइकिल एक बार चार्ज करने पर कम से कम 307 किमी की रेंज देने का वादा करती है। कंपनी का दावा है कि एल्यूमीनियम केसिंग के अंदर यह बैटरी पैक इंडस्ट्री में उपलब्ध किसी भी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर सबसे बड़ा है और यह सुरक्षा के पांच स्तरों के साथ आता है। यह पैसिव एयर कूलिंग के साथ भी आता है।

सितंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 47 प्रतिशत बढ़ी: डीजीसीए

मुंबई।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या इस साल सितंबर में सालाना आधार पर 46.54 प्रतिशत बढ़कर 1.03 करोड हो गई। विमानन सुरक्षा नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी` किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय घरेलू उड़ानों ने स्थानीय रूट पर कुल 70.6 लाख यात्रियों को उनके मुकाम तक पहुंचाया। आकाश एयर ने इस साल सात अगस्त से घरेलू मार्गों पर अपनी उड़ान सेवाएं शुरू की हैं। डीजीसीए के आंकड़ों से पता चलता है कि इन एयरलाइंस का औसत यात्री लोड फैक्टर (पीएलएफ) अगस्त 2022 में 77.5 प्रतिशत रहा, जो अगस्त 2022 में 72.5 प्रतिशत था। पीएलएफ से पता चलता है कि एयरलाइन ने अपनी यात्री क्षमता का कितना उपयोग किया। बाजार हिस्सेदारी के मामले में कुल घरेलू यातायात में इंडिगो की 57 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। इंडियो ने अपनी

उड़ानों के जरिए 59.72 लाख यात्रियों को सेवाएं दीं।

इसके बाद 9.96 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ विस्तार का स्थान रहा, जिसने 9.96 लाख यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया। विस्तार, एयर इंडिया और एयरएशिया इंडिया की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी सितंबर में 24.7 फीसदी थी।

एप्पल अपने उत्पादों में नहीं करेगी चीनी चिप्स का प्रयोग

-वायएमटीसी से मेमोरी चिप्स का उपयोग करने की योजना पर रोक लगाई

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी एप्पल ने अपने उत्पादों में चीन की यांग्त्ज़ी मेमोरी टेक्नोलॉजी कंपनी (वायएमटीसी) से मेमोरी चिप्स का उपयोग करने की योजना पर रोक लगा दी है। यह फैसला एप्पल ने उस वक्त लिया है जब चीनी टेक्नोलॉजी सेक्टर के खिलाफ अमेरिका निर्यात से जुड़े नियंत्रण लगा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एप्पल ने आईफोन्स में उपयोग के लिए वायएमटीसी की 128-लेयर 3डी नंद फ्लैश मेमोरी को प्रमाणित करने के लिए महीनों की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली थी। हालांकि, अब कंपनी ने चिप्स इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला लिया है। दरअसल नंद फ्लैश मेमोरी स्मार्टफोन और पर्सनल कंप्यूटर से लेकर सर्वर तक सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाया जाने वाला एक प्रमुख उपकरण है। वायएमटीसी एस 128-लेयर चिप्स एक चीनी चिप निर्माणकर्ता द्वारा बनाई गई सबसे एडवांस चिप हैं। हालांकि, अभी भी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और माइक्रोन जैसे बाजार के लीडर्स से एक या दो जनरेशन पीछे है। सप्लाई चेन के अधिकारियों ने कहा कि एप्पल ने मूल रूप से इस साल की शुरुआत में चीनी सरकार द्वारा वित्त पोषित वायएमटीसी के चिप्स का उपयोग शुरू करने की योजना बनाई थी, क्योंकि ये अन्य की तुलना में कम से कम 20प्रतिशत सस्ती है। सूत्रों की मानें तो, बढ़ते जियो-पॉलिटिकल प्रेशर और अमेरिकी पॉलिसी मेकर की बयानबाजी के एप्पल को यह फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। वाशिंगटन ने 7 अक्टूबर को वायएमटीसी को तथाकथित असत्यापित सूची में रखा। यह तब किया जाता है जब अमेरिकी अधिकारी यह सत्यापित नहीं कर सकते कि उसके अंतिम उपयोगकर्ता कौन हैं। वायएमटीसी चिप्स को शुरू में केवल चीनी बाजार में बेचे जाने कवाले आईफोन्स के लिए इस्तेमाल करने की योजना थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत से आईफोन का निर्यात अप्रैल से पांच महीनों में 1 अरब डॉलर को पार कर गया है। एक सूत्र ने कहा कि एप्पल वायएमटीसी से सभी आईफोन्स के लिए आवश्यक नंद फ्लैश मेमोरी का 40 प्रतिशत तक खरीदने पर विचार कर रहा था। इससे पहले साल की शुरुआत में एप्पल ने भारत में आईफोन् 13 का प्रोडक्शन शुरू करके चीन को झटका दिया था और अब आईपेड टैबलेट को असेंबल करने की भी योजना बना रहा है।

सत्या नडेला को अमेरिका में दिया गया पद्म भूषण

वाशिंगटन ।

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने कहा कि भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण मिलना उनके लिए सम्मान की बात है और वह पूरे भारत के लोगों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं जिससे वे और उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकें। सेन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. टीवी नागेंद्र प्रसाद ने पिछले हफ्ते नडेला को यह सम्मान औपचारिक रूप से प्रदान किया।

55 वर्षीय नडेला की अगले वर्ष जनवरी में भारत आने की योजना है। पद्म भूषण मिलने पर नडेला ने कहा कि पद्म भूषण मिलना और इतने असाधारण लोगों के साथ पहचाना जाना गौरव की बात है। मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत की जनता का आभारी हूं। मैं पूरे भारत के लोगों के साथ काम जारी रखने के लिए आशान्वित हूं ताकि उन्हें प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद कर सकूं जिससे वे और उपलब्धियां हासिल करें। नडेला और डॉ. प्रसाद के बीच भारत में समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने में डिजिटल प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका के बारे में चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद नडेला ने कहा, अगला दशक डिजिटल प्रौद्योगिकी का होगा। हर आकार के भारतीय उद्योग और संगठन प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहे हैं जिससे नवोन्मेष, जुझारूपन और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। हैदराबाद में जन्मे नडेला फरवरी 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने थे और जून 2021 में उन्हें कंपनी का चेयरमैन भी बनाया गया।

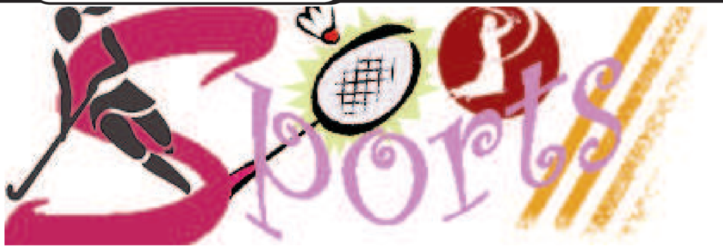

ऑस्ट्रेलियाई टीम इंगलिस की जगह ग्रीन या एलिस को कर सकती है शामिल : कोच

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड ने कहा है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में चोटिल खिलाड़ी जोश इंगलिस की जगह ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और तेज गेंदबाज नाथन एलिस में से किसी एक को शामिल कर सकती है। इंगलिस रिजर्व विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टीम में रखे गये हैं। वह न्यू साउथ वेल्स क्लब में गोल्फ खेलते समय एक दुर्घटना में चोटिल हो गये थे। मैकडोनल्ड ने एक कार्यक्रम में कहा, ''बदकिस्मती से जोश के साथ एक हादसा हुआ है। '' उन्होंने कहा, '' ऐसे में वह विश्व कप में नहीं खेल पायेंगे। '' मैकडोनल्ड ने इसलिए ग्रीन के नाम पर विचार का संकेत देते हुए कहा, '' ग्रीन निश्चित रूप से चर्चा का विषय हैं। उनके अलावा तेज गेंदबाज नाथन एलिस के नाम पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा बेन मैकडरमोट, जोश फिलिप और एलेक्स कैरी भी संभावितों में शामिल हैं। इसके अलावा कुछ संभावित बैक-अप विकेटकीपर के नाम पर भी शामिल हैं।'' ऑस्ट्रेलिया अपने विश्वकप अभियान की शुरूआत शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगा। मैकडोनल्ड ने कहा, ''इंगलिस की हथेली पर चोट से बल्ला पकड़ने में परेशानी होगी और अगर वह विकेटकीपिंग करता है तो इसमें भी प्रभाव पड़ेगा।'' इसलिए उसे टीम में रखना संभव नहीं है।

PKL 9 : तीसरी जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचे बुल्स, थलाइवाज को 17 अंक से हराया

बेंगलुरू। (एजेंसी)

बेंगलुरू बुल्स ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने बेहतरीन खेल दिखाते हुए श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में बुधवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 29वें मैच में तमिल थलाइवाज को 45-28 के अंतर से हरा दिया। पांच मैचों में तीसरी जीत के साथ बुल्स अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। बुल्स की जीत में भरत (12) का अहम योगदान रहा। देरी से ही सही विकास कंडोला (7) ने भी रफ्तार पकड़ी। साथ ही नीरज नरवाल (5) ने भी अहम योगदान दिया। थलाइवाज को पांच मैचों में तीसरी हार मिली। थलाइवाज के लिए नरेंदर ने 10 अंक जुटाए जबकि हिमांशू सिंह ने 8 अंक लिए। नीरज नरवाल ने दो रेड में तीन अंक लेकर बुल्स को चार मिनट के खेल में 4-1 की लीड दिला दी। फिर विकास कंडोला ने थलाइवाज को सुपर टैकल की स्थिति में डाल दिया। अगली रेड पर हालांकि विकास सुपर टैकल कर लिए गए। स्कोर 5-6 हो गया था। भरत ने हालांकि सुपर रेड के साथ थलाइवाज का सूपड़ा साफ कर दिया। स्कोर 11-4 से बुल्स के पक्ष में था। फिर डू ओर डाई रेड पर विकास ने एक अंक लेकर स्कोर 14-5 कर दिया। चार के डिफेंस में हालांकि अगली रेड पर वह डैश कर दिए गए। फिर नरेंदर ने थलाइवाज को एक बोनस दिलाया। इसी बीच, एक और सेल्फ आउट के कारण बुल्स को एक अंक मिला। विकास का रिवाइवल हुआ। इसी बीच नरेंदर कंडोला ने एक बोनस लिया और फिर भरत को लपक स्कोर 10-16 कर दिया। नरेंदर के बाद अब हिमांशू सिंह ने दो अंक की रेड के साथ खाता खोला। बुल्स ने डू ओर डाई रेड पर विश्वनाथ को लपक पहले हाफ की समाप्ति तक 18-12 की लीड ले ली। ब्रेक के बाद बुल्स ने लगातार दो अंक लिए और स्कोर डिफरेंस 8 का कर लिया। भरत ने अगली रेड पर टीम को अंक दिलाया और इस तरह थलाइवाज के सिर्फ तीन खिलाड़ी मैट पर रह गए थे। भरत ने सुपर टैकल की

स्थिति में हिमांशू को लपक थलाइवाज को आलआउट की ओर धकेल दिया। हालांकि आशीष ने विकास को सुपर टैकल कर आलआउट बचाया। थलाइवाज को अगली रेड पर लगातार तीसरा अंक मिला। भरत मल्टी प्वाइंट रेड के साथ लौटे और फिर बुल्स के डिफेंस ने अपना काम कर थलाइवाज को दूसरी बार आलआउट कर दिया। स्कोर 27-18 हो गया था। इसी बीच भरत ने सीजन का अपना दूसरा सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि आशीष ने भरत को डैश कर दिया। इसी बीच बुल्स के डिफेंस ने नरेंदर का शिकार कर लिया। 9 मिनट बचे थे और बुल्स को 8 अंक की लीड मिली हुई थी। इस बीच दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले। स्कोर 30-24 था।

दिसंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगा भारत

(एजेंसी)

भारतीय टीम फिलहाल टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची हुई है। ऑस्ट्रेलिया में इस टूर्नामेंट के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के दोरे पर तीन टी-20 मैचों और तीन वनडे मैचों की सीरीज में हिस्सा लेगी। साल के अंतिम महीने, दिसंबर में बांग्लादेश किक्रेट बोर्ड ने भारत के लिए बांग्लादेश के दौरे का कार्यक्रम रखा है। बांग्लादेश दौरे में भारतीय टीम तीन वनडे 4, 7 और 10 दिसंबर को खेलेगी और दो टेस्ट 14-18 दिसंबर और 22-26 दिसंबर के बीच खेलेगी। साल 2015 के बाद यह भारत का बांग्लादेश में पहला पूर्ण दौरा होगा। पिछले दौरे पर इकलौता टेस्ट ड्रॉ हो गया था, जबकि बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। बांग्लादेश क्रिकेट (बोर्डबीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन इस दौरे के बारे में बात करते हुए कहा, मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के मुकाबलों में हमें रोमांचक टक्कर देखने को मिली है और दोनों देशों के प्रशंसक इस यादगार सीरीज़ का इंतजार कर रहे हैं। मैं बीसीबी के साथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का धन्यवाद करता हूं। हम भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, मैं आगामी द्विपक्षीय सीरीज के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को शुभकामनाएं देता हूं। दोनों देशों में क्रिकेट के प्रति रोमांच के चलते प्रशंसको के बीच ज़बरदस्त दिलचस्पी पैदा होती है। हम जानते हैं कि बांग्लादेश के प्रशंसक कितने उत्सुक हैं और उन्हें सफेद गेंद और लाल गेंद के क्रिकेट में बहुत रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को ध्यान में रख कर दोनों टेस्ट मैच काफ़ी महत्वपूर्ण रहेंगे और दोनों टीमें जीत के लिए जबरदस्त मेहनत करेंगी।

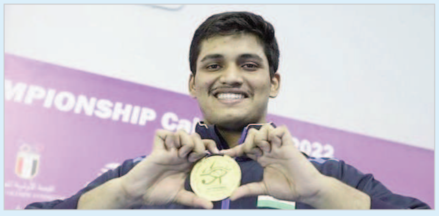

'गोल्ड मेडलिस्ट' रूद्रांक्ष पर मेहरबान हुई महाराष्ट्र सरकार, किया बड़ा ऐलान

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने मिस्त्र में हुए आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले रूद्रांक्ष पाटिल को दो करोड़ रूपए नकद पुरस्कार देने की घोषणा की । मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज राज्य कैबिनेट की बैठक में रुद्राक्ष को बधाई दी है। इसके अलावा राज्य कैबिनेट ने उन्हें सम्मानित करने का प्रस्ताव भी पारित किया है। पाटिल ने 14 अक्टूबर को पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था। वह अभिनव बिंद्रा के बाद यह कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए । उन्होंने इटली के दानिलो डेनिस सोलाजो को स्वर्ण पदक के मुकाबले में 17 . 13 से हराया था । उन्हें फ्रांस में 2024 ओलंपिक के लिए अपना पहला कोटा भी मिला है। रुद्राक्ष पाटिल के इस प्रदर्शन के कारण हर जगह उनकी प्रशंसा हो रही है। यह काम उन्होंने महज 18 साल की उम्र में किया। बता दें कि पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल के बड़े बेटे हैं। उनकी मां हेमांगिनी वाशी, नवी मुंबई में एक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हैं।

FIFA अंडर-17 महिला विश्व कप से बाहर होने पर भारतीय कप्तान बोलीं-

यह सिर्फ हमारी फुटबॉल यात्रा की शुरुआत

भुवनेश्वर। (एजेंसी)

फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 से भारत की निकासी के बावजूद भारतीय टीम की कप्तान अष्टम उरांव का मानना है कि यह सिर्फ उनकी फुटबॉल यात्रा की शुरुआत है। अष्टम ने बुधवार को कहा,''हमारा विश्व कप अभियान भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन फुटबॉल खेलने का हमारा जुनून खत्म नहीं हुआ है। हमारी फुटबॉल यात्रा अभी शुरू हुई है और मैं अन्य लड़कियों के साथ-साथ उनके माता-पिता से उन्हें फुटबॉल खेलने की आज़ादी देने के लिए कहती हूं, या जो भी खेल उन्हें पसंद है। किसी भी बच्चे के बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए माता-पिता का सहयोग बहुत जरूरी है।'' फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में भारत का सफर निराशाजनक रहा और उन्हें ग्रुप स्टेज के अपने तीनों मुकाबलों में हार मिली। भारतीय लड़कियां अमेरिका (8-0), मोरक्को (3-0) और ब्राज़ील (5-0) के खिलाफ मैचों में एक भी गोल नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा,''हमारे परिणाम भले ही उम्मीद के मुताबिक न रहे हों लेकिन हर कोई हमारे संघर्ष को देख सकता है। मैं हर माता-पिता और लड़की से आग्रह करता हूं कि वे न केवल परिणाम देखें बल्कि हमारी कड़ी मेहनत पर विश्वास करें। मुझे उम्मीद है कि कई लड़कियां यह खेल खेलेंगी और भारत में महिला फुटबॉल को विकसित करने के लिए लड़ने की कोशिश करेंगी।'' भारत ने अंडर-17 महिला विश्व कप में पहली बार हिस्सा लिया था। भारतीय टीम मेज़बान होने के आधार पर क्वालीफाई करके टूर्नामेंट में आई थी। अष्टम ने विश्व कप अनुभव के बारे में कहा,''विश्व कप में हम सभी ने बहुत कुछ सीखा। भले ही हम अपने सभी मैच हार गए हों, लेकिन

इससे हमने बहुत अहम बात सीखी, अगर हम अपनी गलतियों को नहीं सुधारते तो हर कोई उनका उपयोग हमारे खिलाफ करेगा।'' उन्होंने कहा, 'हमें टूर्नामेंट के दौरान अमेरिका और ब्राजील जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का अवसर मिला। हमने अंत तक संघर्ष किया और अपनी कमजोरियों के बारे में जाना। मोरक्को भी एक अच्छी टीम है, और उनके खिलाफ खेलना एक आंख खोलने वाला अनुभव था। हमें पता चला कि हम किस स्तर पर हैं। अब केवल एक चीज महत्वपूर्ण है, वह यह कि ऐसे विरोधियों के खिलाफ अच्छा खेलने के लिए खुद को कैसे तैयार किया जाए।

अष्टम ने प्रशंसकों को उनके समर्थन के लिये धन्यवाद देते हुए कहा, '' जो भी हमारा समर्थन करने आया, मैं आप सभी को दिल की गहराइयों से धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने अपना समय निकालकर हमारा समर्थन किया।

संक्षिप्त समाचार

एमचैस रैपिड शतरंज - विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराकर डूड़ा पहुंचे फाइनल

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैंपियन चैस टूर के आठवे पड़ाव एमचैस रैपिड शतरंज के सेमी फाइनल मुक़ाबले में पोलैंड के यान डूड़ा नें विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पराजित करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है । जहां उनका मुक़ाबला रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट को हराकर फाइनल पहुंचे अजरबैजान के ममेद्यारोव से होगा । मेगनस कार्लसन के खिलाफ डुड़ा नें पिछले वर्ष खेले गए फीडे विश्व कप की याद दिला दी जब उन्होने सेमी फाइनल में कार्लसन को पराजित किया था । एक बार फिर इस टूर्नामेंट के सेमी फाइनल मुक़ाबले में उन्होने विश्व चैम्पियन को पराजित कर दिया । दोनों के बीच चार रैपिड मुक़ाबले में डुड़ा नें दो मुक़ाबले जीते जबकि दो मुक़ाबले ड्रॉ रहे और डुड़ा नें 3-1 के बड़े अंतर से सेमी फाइनल जीतकर फाइनल में जगह बना ली । वहीं दूसरे सेमी फाइनल में अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव नें टाईब्रेक में रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट को मात देते हुए फाइनल में जगह बनाई । रिचर्ड और ममेद्यारोव के बीच नियमित 4 रैपिड मुक़ाबले के बाद स्कोर 2-2 पर बराबर था ऐसे में दो ब्लीट्ज़ मुकाबलों का टाईब्रेक खेला गया जिसमें ममेद्यारोव नें 1.5-0.5 से जीत दर्ज कर ओवरऑल 3.5-2.5 के स्कोर से फाइनल में जगह बनाई ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : ऋतुराज की विकेटकीपिंग देख प्रशंसकों को धोनी की याद आई

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने केरल के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी के अलावा अपनी विकेटकीपिंग से भी सबको प्रभावित किया है। ऋतुराज ने केरल के कप्तान संजू सैमसन को जिस प्रकार स्टंट आउट किया उससे लोगों को पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की विकेटकीपिंग याद आ गयी। इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें सैमसन को ऋतुराज ने धोनी की तरह ही आउट कर दिया। सैमसन ने जैसे ही एक शॉट खेलने के लिए क्रीज से कदम बाहर निकाला । उसी समय ऋतुराज ने उन्हें स्टंप कर दिया। ऐसे में कुछ प्रशंसकों का मानना है कि वह पूर्व भारतीय कप्तान धोनी जैसे विकेटकीपर बनेंगे। ऋतुराज ऋतुराज आईपीएल 2019 से धोनी की सीएसके टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने 2021 में सीएसके की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऋतुराज ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मैच में शतक लगाकर महाराष्ट्र को 40 रन से जीत दिलायी। उन्होंने 7 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 68 गेंदों में 114 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी पारी के बल पर उन्होंने महाराष्ट्र की टीम को एक अच्छे स्कोर 167 रनों तक पहुंचाया। वहीं इसके बाद केरल 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर केवल 127 रन ही बना पायी।

पूरी तरह से फिट हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक ने कहा है कि जीवन में सभी चीजों के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाने और चोटों से उबरने के दौरान परिवार के सदस्यों से समर्थन से उन्हें टी20 विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करने में मदद मिली। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप में अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो इसमें संभवतः हार्दिक की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले 29 साल के हार्दिक ने अपने परिवार द्वारा निभाई गई महत्पूर्ण भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे चोट से उभरने में पत्नी नताशा, बेटे अगस्त्य और भाई कृणाल ने अहम भूमिका निभाई। हार्दिक ने पिछले 18 महीने में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। इससे पहले वह चोटिल होने के कारण लंबे समय तक गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। वह अब भारत के लिए नियमित रूप से गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे टीम का संतुलन बेहतर हुआ है। हार्दिक ने 'राइज वर्ल्डवाइड' से कहा,''जीवन में सभी चीजों को सकारात्मक रूप से लेने और बेसिक्स पर चलने से काफी मदद मिली क्योंकि इससे मेरे जीवन में शांति आई कि हमेशा सकारात्मक पक्ष को देखना है। मुझे पता है कि अच्छे और बुरे दिन आएंगे लेकिन कड़ी मेहनत करने से सकारात्मकता आती है जिससे मेरा मनोबल बढ़ता है और सब कुछ झोंकने का आत्मविश्वास आता है और हमेशा अपने परिवार का समर्थन मिलने से मैं पूरा ध्यान केंद्रित कर पाया और मेरे चारों तरफ सकारात्मकता रही।' उन्होंने कहा, ''इस बार अंतर यह था कि मेरे परिवार ने बड़ी भूमिका निभाई क्योंकि उन्होंने मुझे वही रहने दिया जो मैं हूं। श्रेय नताशा, अगस्त्य और कृणाल को जाता है- उन्होंने मुझे मेरी दिनचर्या बरकरार रखने दी और सुनिश्चित किया कि मुझे सिर्फ अपने ऊपर ध्यान देना है और खुद को प्राथमिकता देनी है। इसके कारण काफी चीजें समझने में सफल रहा जो पिछले कुछ वर्षों में मैं खेलने के दौरान भूल गया था क्योंकि कुछ

चीजें होती हैं जो आप लिखते नहीं हैं, वो बस हो जाती हैं।'' पूर्ण फिटनेस हासिल करने के बाद से हार्दिक के लिए यह साल काफी सफल रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी अगुआई में गजरात टाइटंस ने खिताब जीता और इसके बाद वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे जबकि गेंदबाजी में भी प्रभावित किया।

कार्तिक और ऋषभ दोनो को अंतिम ग्यारह में रखे भारतीय टीम : गावस्कर

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत दोनो को ही टीम में जगह दी जा सकती है। गावस्कर ने बताया कि भारत का मिडिल ऑर्डर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत दोनों के साथ अच्छे संपर्क में है और दोनो ही अंतिम 11 में स्थान पा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वहीं अगर वे छह गेंदबाजों के साथ जाने का फैसला करते हैं, जिसमें हार्दिक पंड्या छठे गेंदबाज हैं, तब ऋषभ को जगह नहीं मिल सकती है पर अगर वे हार्दिक पंड्या के साथ पांचवें गेंदबाज के रूप में जाने का फैसला करते हैं, फिर ऋषभ पास छठे नंबर पर और कार्तिक के पास शायद सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका है, और उसके बाद बल्लेबाजी के लिए चार गेंदबाज हैं।' गावस्कर ने आगे कहा, इस तरह से अंतिम ग्याहर में दोनों खिलाड़ियों की मौजूदगी अच्छी तरह से हो सकती है, हमें बस इंतजार करना होगा और देखना होगा। टीम प्रबंधन यह जरूर चाहेगा कि मध्य क्रम में एक बाएं हाथ का बल्लेबाज हो। टीम चयन के समय यह ध्यान रखा जाता है कि बल्लेबाजों में जो फार्म में हो वह रखे जाते हैं। ऐसे में किसे रख जाएगा ये हालातों पर निर्भर होगा।

हरभजन ने पाक के खिलाफ महामुकाबल के लिए बनायी अपनी पसंदीदा टीम

अश्विन और ऋषभ को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली । भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान से रविवार को होने वाले महामुकाबले के लिए अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। हरभजन ने इस टीम में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन , आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और हर्षल पटेल को शामिल नहीं किया किया है। वहीं वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने मोहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार के अलावा अर्शदीप सिंह को भी शामिल किया है। हरभजन ने अपनी अंतिम ग्यारह को लेकर कहा 'मुझे लगता है कि टीम सीधे तय है। कप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक और अक्षर पटेल टीम में रहेंगे। उनके साथ युजवेन्द्र चहल खेलेंगे। उसके बाद अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी टीम में रहेंगे। हरभजन ने इस दौरान अश्विन को टीम में नहीं रखने का कारण बताया और कहा कि वह टी20 में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाते जबकि अक्षर पटेल गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने कहा 'मुझे नहीं लगता कि भारतीय टीम में अश्विन को शामिल किया जाएगा क्योंकि अक्षर के रहने से बल्लेबाजी निचले स्तर तक खिंची दिखती है। अगर अक्षर नहीं खेलते हैं, तो आप टी20 में आर अश्विन की बल्लेबाजी पर इतना ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हालांकि वह टेस्ट प्रारूप में अच्छे हैं।' हरभजन ने इसके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भी जमकर प्रशंसा की। शमी को जसप्रीत बुमराह के विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया है। बुमराह पीठ की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हुए हैं। भज्जी का कहना है कि बुमराह की गैरमौजूदगी में शमी की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि शमी का फिट होना भारतीय टीम के लिए अच्छा संकेत है।

फिर जोहोर कप जीतने के लिए टीम में काफी प्रतिभा : कप्तान उत्तम सिंह

बेंगलुरू । (एजेंसी)

भारतीय पुरूष जूनियर हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा कि पिछली बार करीब से खिताब गंवाने के बाद टीम सुल्तान जोहोर कप में फिर खिताब हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। यह टूर्नामेंट कोविड-19 महामारी के कारण तीन साल बाद आयोजित किया जा रहा है। दो बार की पूर्व चैम्पियन भारत को पिछली दफा टूर्नामेंट के फाइनल में ब्रिटेन से 1-2 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था जबकि टीम ने 1-0 से बढ़त बनाई हुई थी। जूनियर टीम के कप्तान ने बुधवार को कुआलालंपुर रवाना होने से पहले कहा कि हमने ट्रेनिंग शिविर में कई चर्चाएं की हैं और हमें भरोसा है कि हमारी टीम में खिताब जीतने के लिए काफी प्रतिभा मौजूद है। कोच सीआर कुमार की भारतीय टीम 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। टीम को फिर 23 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका, 25 अक्टूबर को जापान, 26 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया और 28 अक्टूबर को गत चैम्पियन ब्रिटेन से भिडना है। शीर्ष दो टीमें 29 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में एक दूसरे के सामने होंगी। सिंह ने कहा कि हमारी टीम टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही मजबूत टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्साहित है। हमारे लिए अपनी टीम की परीक्षा लेने का यह अच्छा मौका है जिससे टीम एक इकाई के तौर पर मजबूत होगी। भारत ने 2013 और 2014 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है जबकि चार बार टीम उप विजेता रही है। सिंह ने कहा कि हम किसी भी टीम को

हल्के में नहीं लेंगे और मैच की परिस्थितियों के हिसाब से ही खेलेंगे।

हमें आक्रमण और रक्षण के लिए तैयार रहना होगा। भारतीय कप्तान सिंह 2021 में घरेलू सरजमीं पर हुए जूनियर विश्व कप में खेले थे जिसमें टीम फ्रांस से हारकर चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने इस साल के शुरू में एशिया कप में सीनियर टीम के लिए भी पदार्पण किया था।

भारत में खेले छह में से पांच विश्वकप मैच हारी है पाकिस्तान

केवल एक बार बांग्लादेश पर उसे जीत मिली

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने धमकी दी है कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए तटस्थ स्थल पर अड़ी रहती है तो वह भी अगले साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप का बहिष्कार करेगा। अब देखना है कि पीसीबी की यह कोरी धमकी है यह कुछ और बहरहाल यह मामला अब एशिकयाई क्रिकेट परिषद से पास चला गया है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डाले तो पाक ने पिछले 26 साल में भारत में 6 मुकाबले खेले हैं जिसमें उसका रिकार्ड बेहद खराब रहा है। पाक टीम ने इन वर्षों में तीन बार भारत का दौर किया है। इसमें दो विश्व कप और एक टी20 विश्व कप शामिल है। इसमें उसे छह में से केवल एक ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत मिली थी।1987 में पहली बार भारत और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से एकदिवसीय विश्वकप की मेजबानी की थी पर पाक को इस दौरान भारत में एक भी मुकाबला नहीं खेलना पड़ा। वहीं साल 1996 में भारत, पाक और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से एकदिवसीय विश्वकप की मेजबानी की। तब पाक टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत में खेला था। जहां उसे भारतीय टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं 2011 में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश को संयुक्त रूप से एकदिवसीय विश्वकप की मेजबानी मिली। तब पाक टीम सेमीफाइनल मैच खेलने भारत आई थी लेकिन इस बार भी उसे हार मिली थी. पाकिस्तान की टीम अंतिम बार 2016 में टी20 विश्व कप खेलने भारत आई थी। इस दौरान उसने कुल 4 मैच खेले थे और 3 में हार मिली थी। उसने बांग्लादेश को हराया। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से उसे हार मिली थी।

प्रधानमंत्री द्वारा तापी जिला को दिवाली के पहले दी रू 2192 करोड़ की भेंट

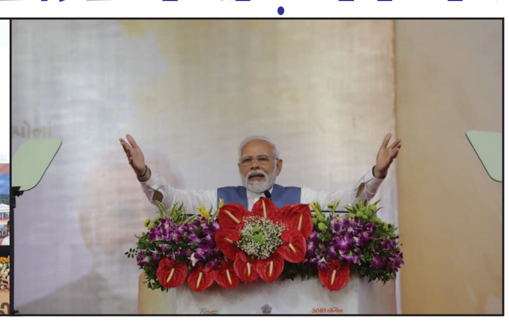

संवाददाता सूरत भूमि गौरी शंकर मिश्रा सोनगढ़ तापी। प्रधानमंत्री ने गुजरात में डबल इंजन सरकार जिस तरह तेज गति से विकास के काम कर रही है के संबंध में व्यक्त करते हुए गुजरात के आदिवासी प्रदेश के विकास के साथ आदिवासी जनजीवन में बदलाव आए इसलिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा लागू की गई अनेक योजनाओं का उल्लेख कर पिछले 20 वर्षों में गुजरात में स्थित विकास लक्ष्य बदलाव और केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को मिल रहे लाभ का एक चित्र पेश किया।

तापी जिला के सोनगढ़ तालुका के गुणसदा में रुपए 2192 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समग्र आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए दिवाली के त्योहार पर भेंट स्वरूप दीया। जनता के आशीर्वाद और विश्वास से डबल इंजन सरकार ने नई प्रेरणा और ऊर्जा सामर्थ्य और संघर्ष करने की शक्ति प्राप्त की है। आदिवासी समाज की अवगणना करने वाली भूतकाल की सरकार ने जो अन्याय किया है उसका नरेंद्र भाई और भूपेंद्र भाई की डबल इंजन सरकार ने सबका साथ ,सबका प्रयास और सबका विकास के मंत्र को मूर्तिमंत कर आदिवासी समाज को उत्कर्ष नया मार्ग डबल इच्छाशक्ति से दिया है।

भाजपा के साथ बैठक को लेकर AIMIM प्रमुख साबिर काबलीवाला ने दी सफाई

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और एआईएमआईएम के बीच हुई बैठक को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई थी। जिसे लेकर एआईएमआईएम के गुजरात प्रमुख साबिर काबलीवाला ने स्पष्ट किया है कि यह बैठक किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं बल्कि एक समस्या को लेकर हुई थी। बता दें कि अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार और प्रभारी धर्मेन्द्र के साथ साबिर काबलीवाला ने बैठक की थी। जिसे लेकर कांग्रेस और आप ने आरोप लगाया था कि भाजपा और एआईएमआईएम के बीच कुछ खीचड़ी पक रही है। बैठक को लेकर सियासत गरमाने के बाद साबिर काबलीवाला ने स्पष्ट किया कि भाजपा नेताओं के साथ बैठक हुई थी, परंतु एआईएमआईएम की ऑफीस में नहीं हुई थी और ना ही इसका कोई राजनीतिक मकसद था। भाजपा नेताओं के साथ पिराणा सुएज ट्रीटमेंट प्लान्ट के मुद्दे पर बैठक हुई थी। काबलीवाला ने बताया कि पिछले काफी समय से सुएज प्लान्ट बंद होने की वजह से कई फैक्ट्रियां ठप हैं। जिसे चालू करने के मुद्दे को लेकर भाजपा के साथ बैठक की थी। इससे पहले भी इस संदर्भ में महापौर किरीट परमार से पेशकश कर चुका हूं। गौरतलब है कि विपक्ष आए दिन एआईएमआईएम को भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाता रहता है। बीते दिन भाजपा और एआईएमआईएम की बैठक को लेकर आम आदमी पार्टी ने निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि आखिर यह रिश्ता क्या कहलता है? आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने ट्वीट कर कहा ङ्क'बीते दिन अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार और भाजपा नेता धर्मेन्द्र शाह ने एआईएमआईएम के प्रदेश कार्यालय पर बैठक की थी। आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है?' गोपाल इटालिया के ट्वीट के बाद दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी भाजपा और एआईएमआईएम के बीच हुई बैठक पर सवाल उठाए। सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा 'यह क्या हो रहा है? भाजपा और एआईएमआईएम के बीच गुप्त बैठक? भाजपा देश को बताए कि आखिर एआईएमआईएम के साथ उसकी क्या डील हुई है?'

SRK एक्सपोर्ट्स इस दिपावली पर रूफटॉप सोलर एनर्जी के जरिए अपने 1000 से ज्यादा कर्मचारियों के घरों को प्रकाशित करेगी

सूरत भूमि, सूरत। हीरा उत्पादन और क्राफ्टिंग के क्षेत्र में जानी-मानी और वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (SRK) ने आज 'Pure Diwali Get Together' (दिपावली स्नेह मिलन) के अवसर पर अपने कर्मचारियों को 1,000 सोलर रूफटॉप पैनल उपहार में देने की घोषणा की। स्क्र्र एक्सपोर्ट्स कंपनी अपने कर्मचारियों को परिवार का सदस्य मानती है और उनमें पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए समर्पित है। कर्मचारियों को प्रेरित करने के साथ-साथ उनके कार्य मूल्यांकन कार्यक्रम के भागरूप, SRK एक्सपोर्ट्स त्योहार को मनाने के साथ पहली बार अपने कर्मचारियों को घर पर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके उन्हें मदद कर रही है।

SRK एक्सपोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष श्री गोविंद ढोलकिया (गोविंदाकाका) ने कहा कि, "SRK एक उद्देश्य-संचालित कंपनी है और उसने हमेशा समाज और पर्यावरण को कुछ वापस देने का प्रयास किया है और इसका सफलतापूर्वक संचालन भी किया है। कंपनी के इस रवैये और मानसिकता ने स्क्र्र को वैश्विक स्तर पर एक विश्वसनीय और सम्मानित लीडर बनने में सक्षम बनाया है। लेकिन हमारी टीम की भागीदारी, सहयोग की भावना और समर्थन के बिना हमारी यह सफलता संभव नहीं होती।" SRK एक्सपोर्ट्स के उद्यमी और प्रायोजक जयंती नरोला ने कहा कि, "SRK एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ-साथ पर्यावरण के स्वास्थ्य और कल्याण को महत्व देती है। इस साल दिवाली के अवसर पर, हम अपने कर्मचारियों की उपलब्धियों को पहचानने और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने में उनकी मदद करना चाहते हैं।"

SRK एक्सपोर्ट्स की परोपकारी शाखा, SRK नॉलेज फाउंडेशन (SRKKF) ने इसी तरह अगस्त में 750 शहीद सैनिकों और गुमनाम वीरों के घरों में सौर छतों की स्थापना की घोषणा की थी। गोविंदकाका के जन्मस्थल दुधाला को भी सौर ऊर्जा से संचालित किया गया और अब यह शत-प्रतिशत सोलर ऊर्जा वाला ग्राम बन गया है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नंरेंद्र मोदी की सोलर रूफटॉप योजना के साथ मुद्रांकन करने जैसी पहल, ESG (एनवायरनमेंटल, सोशल, गवर्नेंस) में वैश्विक लीडर बनने के लिए स्क्र्र की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं। इस महीने की शुरुआत में, कंपनी ने ग्लोबल नेटवर्क फॉर जीरो के साथ साझेदारी में इस नेतृत्व को मजबूत करने के लिए साहसिक कदम उठाएं हैं। कंपनी ने भारत के 2030 लक्ष्यों से छह साल पहले, 2024 तक अपनी दो डायमंड क्राफ्टिंग सुविधाओं के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन तक पहुंचने का संकल्प लिया है।

दिवाली के बाद पीएम मोदी फिर एक बार एक दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दो दिवसीय गुजरात दौरा आज खत्म हो चुका है। दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी ने गांधीनगर, राजकोट, जूनागढ़, अहमदाबाद, तापी और नर्मदा जिले में कई कार्यक्रम और रोड शो के साथ ही करोड़ों रुपए विकास कार्यों की भेंट भी दी।

आगामी 31 अक्टूबर को फिर एक बार प्रधानमंत्री के गुजरात दौरा तय हुआ है। गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों को अब किसी भी वक्त ऐलान हो सकता है, जिसे लेकर भाजपा, कांग्रेस और आप समेत सभी राजनीतिक सक्रिय हैं। ऐसे में पीएम मोदी फिर एक बार गुजरात आने वाले हैं। पीएम मोदी का आगामी गुजरात दौरा एक दिन का होगा और वह अलग अलग कार्यक्रमों में शिरकत कर विकास कार्यों की भेंट देंगे।

जानकारी है कि पीएम मोदी 31 अक्टूबर गुजरात आएंगे। हांलाकि पीएम मोदी के गुजरात दौरे की अधिकृत घोषणा नहीं की गई। पीएम मोदी अपने आगामी गुजरात दौरे में अनेक प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंति पर पीएम मोदी केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में होनेवाले एकता परेड में शामिल होंगे। बाद में पीएम मोदी पंचमहल और बनासकांठा के थराद में होनेवाले कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

बता दें कि बुधवार को गुजरात आए पीएम मोदी ने आज दूसरे दिन यानी गुरुवार को केवडिया में मिशन लाइफ का प्रारंभ कराया। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एन्टोनियो गुटरेस भी उपस्थित रहे।

हमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण व आदरपूर्वक उपभोग करना चाहिए : यूएन महासचिव

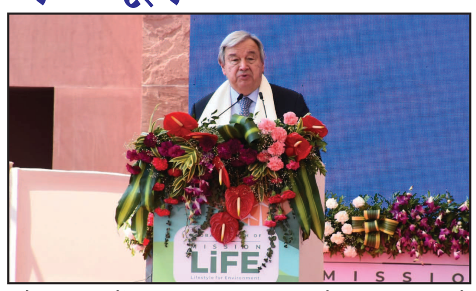

अहमदाबाद । यूएनमहासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि धरती को इस कठिन काल से बचाने के लिए पर्यावरण के लिए जीवनशैली – 'मिशन लाइफ़' समग्र विश्व के लिए आवश्यक और आशाजनक बनेगा। एंटोनिया गुटेरेस गुजरात के एकतानगर में गुरुवार को एकतनागर से 'मिशन लाइफ़' की ग्लोबल लॉन्चिंग के अवसर पर बोल रहे थे7 उन्होंने हिमायत की कि सभी व्यक्तियों तथा समुदायों को पृथ्वी को बचाने के लिए सामूहिक भविष्य रक्षण के हल का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के नुक़सान एवं प्रदूषण की त्रिविध आपत्ति के मूल में अपेक्षाकृत अधिक उपभोग है। हमारी जीवनशैली को सहारा देने के लिए 1.6 ग्रह पृथ्वी का समकक्ष उपयोग कर रहे हैं। यह अतिरेक एवं असमानता जटिल है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लाइफ़ आंदोलन की पहल विश्व भर में फैलेगी। भारत की पर्यावरण के अनुकूल नीतियों तथा नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि करने हेतु भारत की प्रतिबद्धता से वे बहुत प्रोत्साहित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को आगे बढ़ाने के लिए अक्षय क्रांति को आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशन भारत के साथ करने को आतुर है। इस एजेंडा को आगे बढ़ाने में मिस्र में आगामी कॉज 27 संबंधी गहन चर्चा की जाएगी। इतना ही नहीं, पेरिस समझौते के सभी स्तंभों पर विश्वास व्यक्त करने तथा कार्यवाही को गति देने में यह मुख्य भूमिका निभाएगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उसकी विशाल अर्थव्यवस्था के प्रति भारत एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभा सकता है। महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए गुटेरेस ने कहा कि दुनिया में प्रत्येक की आवश्यकताओं के लिए संसाधन पर्याप्त हैं, परंतु प्रत्येक व्यक्ति में आज लालच पैदा हो गया है। हमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं आदरतापूर्वक उपभोग करना चाहिए।

यूएन महासचिव ने अर्थव्यवस्था एवं जीवनशैली में बदलाव के साथ पृथ्वी के संसाधनों का उचित उपयोग किए जा सकने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को जी20 का अध्यक्ष पद मिला, जो भारत के इतिहास, संस्कृति व परम्परा के साथ पूर्ण रूप से सुसंगति के नए युग का शुभारंभ करने में सहायता करेगा।

रियलमी ने अपने ग्राहकों को जबरदस्त एक्सपीरियंस देने के लिए नए रियलमी केयर सर्विस सिस्टम के लॉन्च की घोषणा की

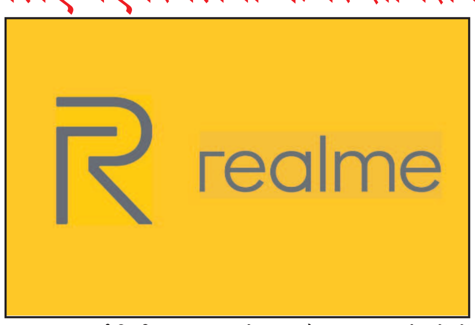

नई दिल्ली। सबसे भरोसेमंद टेक्नोलॉजी ब्रांड, रियलमी ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए एक निर्बाध और सरल एंड-टू-एंड कस्टमर सपोर्ट के लिए रियलमी केयर सर्विस सिस्टम लॉन्च किया है। यह लॉन्च ब्रांड के विकास के दूसरे चरण में प्रवेश का प्रतीक है, जिसमें कस्टमर एक्सपीरियंस पर अपेक्षा से अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत में रियलमी के 70 मिलियन+ उपयोगकर्ता अब देश भर के 1000+ सर्विस सेंटरों के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों टच-प्वाइंट पर व्हाट्सएप से लेकर सोशल मीडिया तक आसानी से कस्टमर सर्विसेज का उपयोग कर सकते हैं।

रियलमी अपनी हाई-क्वालिटी सर्विस के साथ कस्टमर सर्विस एक्सपीरियंस और कस्टमर सैटिस्फैक्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रियलमी के अपडेटेड सर्विस सिस्टम के रूप में, रियलमी केयर "कंज्यूमर-ओरिएंटेड" कॉन्सेप्ट को और ज्यादा हाईलाइट करता है।

इस घोषणा पर रियलमी इंडिया के सीईओ, रियलमी के वीपी, और रियलमी इंटरनेशनल बिजनेस ग्रुप के प्रेसिडेंट श्री माधव शेठ ने कहा, "रियलमी केयर हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देने और हमारे कस्टमर एक्सपीरियंस को और अच्छा बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस पहल के माध्यम से, हम च्सर्विस क्वालिटीज और 'कंसिस्टेंसी, कन्वीनिएंस और केयर' जैसे मूल्यों के साथ डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक सम्पूर्ण सर्विस को सुनिश्चित कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि रियलमी की सर्विस टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में कस्टमर एक्सपीरियंस बेंचमार्क बनेगी।"

रियलमी ने रियलमी केयर+ की भी घोषणा की है, जो मात्र 489 रुपये से शुरू होनेवाली एक किफायती कीमत पर उपलब्ध है। प्रिविलेज्ड प्लान उपभोक्ताओं को 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी, 1 साल की स्क्रीन प्रोटेक्शन और 1 साल की एक्सीडेंटल और लिक्विड प्रोटेक्शन सहित कई पैकेजों के माध्यम से कम्पलीट मोबाइल प्रोटेक्शन सर्विसेज का लाभ उठाने की सुविधा देता है। रियलमी केयर+ सब्सक्राइबर्स को रियलमी के भरोसेमंद एक्सपर्ट, बिना किसी परेशानी के क्लेम, असली डिवाइस पार्ट्स के साथ ऑथोराइज्ड सर्विस सेंटर तक का एक्सेस मिलेगा। रियलमी केयर+, realme.com और ऑफलाइन चैनलों सहित, मौजूदा और नए दोनों उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन उपलब्ध है। उपयोगकर्ता https://event.realme.com/in/realme-care-plus लिंक का उपयोग करके केयर+ प्लान खरीद सकते हैं।

आईथिंक लॉजिस्टक्स अपने ग्राहकों को गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत पौधे दे रही है

नई दिल्ली। भारत में तेजी से बढ़ते 'सास' (SAAS) आधारित प्लेटफॉर्म्स में से एक आईथिंक लॉजिस्टक्स ने घोषणा की है कि वह नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी) की दिशा में कदम उठा चुकी है और इसके लिए वह विभिन्न शहरों में गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत अपने ग्राहकों को पौधे भेजेंगे। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में पौधों के महत्व को समझने में मदद करने के लिए पौधों का यह उपहार ग्राहकों के लिए एक उत्साहजनक तोहफा होगा। ये पौधे, जो ग्राहकों को दिए जाएंगे, नमी के स्तर को बढ़ाने और साथ ही हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने के लिए जाने जाते हैं, जो हवा को साफ करने में मदद करता है। यह पर्यावरण के अनुकूल पहल अत्यधिक कार्बन इमीशन (CE) में सुधार की दिशा में एक विवेकपूर्ण कदम है क्योंकि लॉजिस्टिक्स क्षेत्र भारत में कार्बन उत्सर्जन में तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

इस इनिशिएटिव के बारे में जानकारी देते हुए आईथिंक लॉजिस्टिक्स की को फाउण्डर ज़ैबा सारंग ने बताया " हम अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करने की जिम्मेदारी के महत्व को समझते हैं, क्यों कि यह लॉजिस्टिक्स परिचालन का एक बाय प्रोडक्ट्स है। चूंकि हमारी कम्पनी वास्तव में एक भारतीय संगठन है, इसलिए हम दिवाली की इस शुभ अवधि का उपयोग एक अन्तर पैदा करने और एक टचस्टोन स्थापित करने के लिए करना चाहते हैं कि भारत में जिम्मेदार लॉजिस्क्सि कम्पनियों को कैसे काम करना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया कि आईथिंक लॉजिस्टिक्स की गो ग्रीन पहल में कर्मचारी जुड़ाव गतिविधियां भी शामिल हैं जिनका उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और पर्यावरण के लिए स्थिरता को बढ़ावा देना है। इस महीने चल रहे सार्वजनिक परिवहन दिवस के मद्देनजर हम प्रत्येक कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित कर रहे है कि प्रत्येक कर्मचारी महीने के एक निर्धारित दिन सार्वजनिक परिवहन से ही यात्रा करे तथा अपनी इस यात्रा की सेल्फी लेकर भेजे। एक और दिलचस्प भागीदारी गतिविधि के तहत अपशिष्ट उत्पाद से पर्यावरण के अनुकूल सर्वोत्तम बनाना शामिल है जिसे बाद में नीलाम किया जाएगा, और संग्रह को एक ह्लह्र को भेज दिया जाएगा। इसके अलावा एक एनजीओं इस अभियान को गति देने के लिए फण्ड रेजिंग संग्रहण के लिए प्रत्येक महीने एक फूड स्टॉल भी स्थापित किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)